RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः67 , सोमवार, 20 अप्रैल 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

हस्तलिखित 'भागवत पुराण' के दुर्लभ अंश का अवलोकन, संरक्षण पर दिया गया जोर 03

एक शाम शहीदों के नाम' कार्यक्रम में उमड़ा राष्ट्रभक्ति का सैलाब 04

कई ट्रायल के बाद फाइनल हुआ लैला का लुक, गली सीरीज के लिए... 07

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका पर भरोसा नहीं हालात बिगड़ सकते हैं

- ईरान बोला-होर्मुज से हमारे जहाज नहीं निकले तो किसी के नहीं गुजरने देंगे

तेहरान/वॉशिंगटन (एजेंसी)। ईरान ने कहा है कि उसे अमेरिका पर भरोसा नहीं हैं। ईरान के राष्ट्रपति और संसद के स्पीकर ने कहा कि हालात कभी भी बिगड़ सकते हैं। इसी वजह से सेना पूरी तरह तैयार है। शनिवार रात दिए बयान में गालिबाफ ने कहा कि अगर ईरान के जहाज होर्मुज स्ट्रेट से नहीं गुजर पाए, तो किसी और देश के जहाजों को भी वहां से गुजरने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने अमेरिका की ईरानी बंदरगाहों पर लगाई गई नाकेबंदी को गलत और लापरवाह फैसला बताया। उन्होंने कहा कि यह कदम क्षेत्र में तनाव बढ़ा रहा है। गालिबाफ ने चेतावनी दी कि होर्मुज में माइन-क्लियरिंग जैसी किसी भी कार्रवाई को सीजफायर का उल्लंघन माना जाएगा और इसका जवाब दिया जाएगा।

उन्होंने यह भी कहा कि ईरान बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन इसे कमजोरी नहीं समझा जाना चाहिए। साथ ही दावा किया कि अमेरिका के पास संसाधन और हथियार होने के बावजूद रणनीतिक तौर पर वह ईरान के सामने कमजोर पड़ा है। ईरान की खुफिया एजेंसी ने कहा है कि उसने अमेरिका, इजराइल और ब्रिटेन से जुड़े जासूसी और साजिश नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। यह कार्रवाई दक्षिण-पूर्वी ईरान के केरमान शहर में की गई। अल जजीरा के मुताबिक, खुफिया जानकारी जुटाने, हथियारबंद संगठन बनाने और अशांति भड़काने के आरोप में 51 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही, कई जासूसी नेटवर्क और उनसे जुड़े समूहों को खत्म करने का भी दावा किया गया है।

चारधाम यात्रा का हुआ शंखनाद गंगोत्री-यमुनोत्री के खुले कपाट

- बाबा केदार के दर्शन के लिए करना होगा बस थोड़ा और इंतजार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर रविवार को उत्तराखंड की पहाड़ियों में शंखनाद और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ चारधाम यात्रा का आगाज हो गया है। उत्तरकाशी जिले में स्थित मां गंगा और मां यमुना के धामों गंगोत्री और यमुनोत्री के कपाट सुबह शुभ मुहूर्त में श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए हैं। कपाट खुलते ही हजारों भक्तों ने

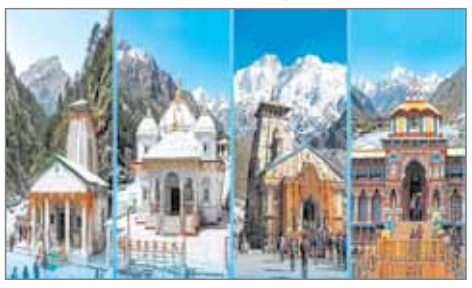

मां के दर्शन कर अक्षय पुण्य का आशीर्वाद प्राप्त किया। वैदिक पंचांग को देखते हुए 22 अप्रैल, 2026 को केदारनाथ धाम के कपाट खुलेंगे। वहीं, 23 अप्रैल, 2026 को बद्रीनाथ धाम के द्वार भक्तों के लिए खोल दिए जाएंगे।

गंगोत्री और यमुनोत्री का धार्मिक महत्व- चारधाम यात्रा की शुरुआत पारंपरिक रूप से यमुनोत्री से होती है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, यमुना जी सूर्य की पुत्री और यमराज की बहन हैं। माना जाता है कि जो व्यक्ति यमुनोत्री के शीतल जल में स्नान करता है, उसे अकाल मृत्यु का भय नहीं रहता और यम की प्रताड़ना से मुक्ति मिलती है। गंगोत्री वह स्थान है जहां भगीरथ जी की तपस्या से प्रसन्न होकर मां गंगा स्वर्ग से पृथ्वी पर अवतरित हुई थीं।

सागर मिशन पर एक साथ 16 देशों के नौसैनिक

थाईलैंड से ऑपरेशनल तैनाती पर बढ़ा आईएनएस सुनयना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना का जहाज आईएनएस सुनयना थाईलैंड के फुकेत से अपने अगले मिशन के लिए रवाना हो गया है। वह इंडियन ओशन शिप सागर मिशन के तहत वहां तीन दिनों के दौरे पर था। इससे पहले उसने मालदीव के माले अपनी पहली ऑपरेशनल तैनाती पूरी की थी। फुकेत में अपने तीन दिनों ठहराव के दौरान आईएनएस सुनयना ने थाईलैंड की रॉयल थाई नेवी के साथ कई अहम गतिविधियों में हिस्सा लिया। इसके बाद 17 अप्रैल को अपने अगले ऑपरेशनल तैनाती के लिए रवाना हो गया। इसमें पेशेवर बातचीत, संयुक्त अभ्यास और आपसी तालमेल बढ़ाने के कार्यक्रम शामिल थे। इन गतिविधियों का मकसद दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच सहयोग को

मजबूत करना और समुद्री सुरक्षा के मुद्दों पर बेहतर समन्वय बनाना था। इस दौरान जहाज के कमांडिंग ऑफीसर कमांडर सिद्धार्थ चौधरी ने थाईलैंड नौसेना के तीसरे चीफ ऑफ स्टाफ रियर एडमिरल सथापोर्न वजारत से मुलाकात की। इस बैठक में दोनों देशों के बीच समुद्री सुरक्षा, सहयोग और भविष्य में संयुक्त अभियानों को लेकर चर्चा हुई।

16 मित्र देशों के नौसैनिक जहाज पर सवार

'आईओएस सागर' पहल के तहत 16 मित्र देशों के कर्मी इस भारतीय नौसैनिक जहाज पर सवार हैं। मित्र देशों की मौजूदगी के साथ यह पोत दक्षिण-पूर्वी हिंद महासागर क्षेत्र में तैनात है। यह भारत की 'पड़ोसी प्रथम' नीति, 'महासागर' विजन, क्षेत्रीय सुरक्षा और विकास के लिए साझा प्रगति को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण प्रयास है। इस पोत को 02 अप्रैल 2026 को मुंबई से रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया था। यह पहल एक समुद्र, एक मिशन की भावना को साकार करते हुए भारत और उसके समुद्री पड़ोसी देशों के बीच विश्वास, सहयोग और सुरक्षा को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

स्कूलों तक पहुंची 'भीषण' गर्मी की तपिश

- मौसम का सितम जारी,कहीं स्कूल बंद तो कहीं बदल गया टाइम

महाराष्ट्र के वर्धा और छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में पारा 45 पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के उत्तरी-पश्चिमी राज्यों और मध्य भारत में भीषण गर्मी का दौर शुरू हो गया है। शनिवार को छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव और महाराष्ट्र के वर्धा में तापमान 45 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। शनिवार को देश के 10 सबसे गर्म शहरों में यूपी का बांदा 44.6, तेलंगाना का आदिलाबाद 44.3, महाराष्ट्र के नागपुर-अमरावती 44.2 और मध्य प्रदेश का रतलाम 44 भी शामिल रहा। राजस्थान, यूपी, मध्य प्रदेश, ओडिशा, तेलंगाना

और छत्तीसगढ़ के कई शहरों में तापमान 43 से ज्यादा रहा। यानी मई से पहले ही तापमान में जबरदस्त बढ़ोतरी हो गई है। देशभर में भीषण गर्मी का प्रकोप शुरू हो गया है। हीटवेव ने लोगों की मुसीबत बढ़ा दी है। पारा 40 डिग्री से पार पहुंच गया है। मौसम विभाग की माने तो आने वाले दिनों में यह जल्द 44 डिग्री को छू लेगा। कई राज्यों ने स्कूली बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कदम उठाए हैं।

छत्तीसगढ़ में स्कूल बंद एमपी में नई टाइमिंग

छत्तीसगढ़ सरकार ने हाल ही में पड़ रही भीषण गर्मी के चलते स्कूलों में छुट्टी की घोषणा कर दी है। राज्य सरकार ने सभी सरकारी, प्राइवेट और सहायता प्राप्त स्कूलों में 20 अप्रैल से 15 जून 2026 तक गर्मी की छुट्टियां घोषित कर दी हैं। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बच्चों की सुरक्षा को सरकार की प्राथमिकता बताया है। मध्य प्रदेश के सतना जिले में गर्मी के चलते स्कूलों की टाइमिंग बदली गई है। अब सभी स्कूल सुबह 7.30 बजे खुलेंगे और दोपहर 12.30 बजे तक चलेंगे।

ओडिशा में छुट्टी, केरल में स्पेशल क्लासेस भी बंद

ओडिशा के कई जिलों में भीषण गर्मी की वजह से बंद करने का फैसला लिया गया है। इनमें बलांगीर, सुबरनापुर और कालाहांजी शामिल हैं। इन जिलों में 18 से 21 अप्रैल तक स्कूल और कॉलेजों को बंद कर दिया गया है। वहीं केरल सरकार नेस्पेशल क्लासेस को लेकर सख्ती दिखाते हुए बंद करने को कहा है।

तमिलनाडु में पटाखा फैक्ट्री में धमाका, 18 की मौत

विरुधुनगर में हादसा, 6 घायल, कई लोग मलबे में दबे

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में एक पटाखा फैक्ट्री में रविवार को धमाका हुआ। फायर एंड रेस्क्यू विभाग के मुताबिक, हादसे में अब तक 18 लोगों के शव बरामद किए गए हैं। 6 लोगों को गंभीर घायल होने के कारण अस्पताल ले जाया गया, जबकि कई लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है। धमाका इतना तेज था कि फैक्ट्री के आसपास की बिल्डिंग्स में भी दरारें आने की खबर है।

सीएम स्टालिन ने कलेक्टर से की बात

एनएनआई ने विरुधुनगर के पास कट्टा नारपट्टी में एक पटाखा फैक्ट्री धमाके में 18 लोगों की मौत होने की पुष्टि की है। इस हादसे में 6 अन्य घायल हुए हैं। अग्निशमन और बचाव विभाग ने यह जानकारी साझा की है। राज्य के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने लिखा है कि जिन लोगों ने अपनी जान गंवाई, उनके परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। मैंने मंत्रियों के के एस एस आर रामचंद्रन और थंगम थेन्नारासु से अनुरोध किया है कि वे बचाव कार्यों में तेजी लाने और उन पर नजर रखने के लिए तुरंत घटनास्थल पर पहुंचें।

महिला आरक्षण पर आर-पार का शुरू हुआ 'खेला'

पीएम मोदी की रैली के बाद ममता-अखिलेश का पलटवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में महिला आरक्षण विधेयक से जुड़ा संशोधन पास नहीं हो पाया। इसके बाद से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा विपक्ष पर हमलावर है। पीएम मोदी ने संशोधन के ना पास होने के लिए मुख्य तौर पर कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके और समाजवादी पार्टी को जिम्मेदार ठहराया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बंगाल के बांकुरा में बड़ी जनसभा थी और उसमें उन्होंने टीएमसी पर निशाना साधा। पीएम मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आपने देखा संसद में क्या हुआ। उन्होंने कहा कि महिलाओं के अधिकार वाले विधेयक को विपक्ष ने गिरा दिया।

पीएम मोदी ने ममता सरकार को बताया निर्मम

पीएम मोदी ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम से जुड़े संशोधन को गिराना टीएमसी और कांग्रेस की सोची समझी चाल है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की महिलाओं के साथ टीएमसी और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विश्वासघात किया है। पीएम मोदी ने बंगाल की ममता सरकार को निर्मम बताया।

अखिलेश यादव ने लगाया तुष्टीकरण का आरोप

महिला आरक्षण विधेयक पर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने भी प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि बीजेपी की राजनीति का यह काला दस्तावेज था जिसे विपक्ष ने विफल कर दिया। अखिलेश ने कहा कि महिला आरक्षण पर बीजेपी की हार हुई है। उन्होंने कहा कि बीजेपी महिलाओं की एकता में दरार डालकर जनता को ठगना चाहती है।

ममता ने पीएम मोदी पर किया पलटवार

हालांकि पीएम मोदी के बयान के बाद बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पलटवार किया और पीएम मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि प्रधानमंत्री ने देश को ईमानदारी से संबोधित करने के बजाय गुमराह करना चुना। मैं यह बात रिकॉर्ड पर रखना चाहती हूं। तृणमूल कांग्रेस ने हमेशा महिलाओं के लिए ज़्यादा राजनीतिक प्रतिनिधित्व की वकालत की है। संसद और राज्य विधानसभा, दोनों में हमारे चुने हुए महिला प्रतिनिधियों का अनुपात सबसे ज़्यादा है। लोकसभा में हमारे चुने हुए सदस्यों में से 37.9 फीसदी महिलाएं हैं। राज्यसभा में हमने 46 फीसदी महिला सदस्यों को नामित किया है। महिला आरक्षण का विरोध करने का सवाल ही नहीं उठता और न कभी उठा है। ममता बनर्जी ने कहा कि हम जिस बात का मूल रूप से विरोध करते हैं, वह है परिसीमन की प्रक्रिया,जिसे सरकार अपने निहित राजनीतिक एजेंडे के लिए महिलाओं को ढाल बनाकर थोपने की साजिश रच रही थी।

अब देश में लग्जरी क्रूज का अनुभव ले रहे लोग

गंगटोक से लेकर यूरोप तक युवाओं की बदली पसंद

रोहतक (एजेंसी)। इजराइल-अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध के कारण वैश्विक तनाव, युद्ध के माहौल के बीच यात्रियों की पसंद में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। एक ओर लोग गंगटोक, गोवा, केरल और दार्जिलिंग जैसे घरेलू पर्यटन स्थलों को प्राथमिकता दे रहे हैं। वहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यूरोप, दक्षिण अफ्रीका की बुकिंग में उछाल आया है। इसके पीछे बड़ी वजह युद्ध के कारण पैदा हुई

अस्थिरता और सुरक्षा को लेकर बढ़ी चिंता है। जो गंतव्य पहले ज्यादा लोकप्रिय नहीं थे, वे अब तेजी से यात्रियों की पसंद बनते जा रहे हैं। ट्रैवल एजेंसी के मालिक रोहित खुराना ने बताया कि इस सीजन में यूरोप के देशों इटली, फ्रांस, स्विट्जरलैंड और फिनलैंड के लिए करीब 200 से 300 एडवांस बुकिंग हो चुकी हैं।

घरेलू पर्यटन को मिला बढ़ावा

लोग लग्जरी क्रूज का अनुभव लेने के लिए दुबई जाना पसंद करते थे, अब सुरक्षा व खर्च को देखते हुए देश में ही क्रूज यात्रा को प्राथमिकता दी जा रही है। कम लागत, आसान पहुंच और सुरक्षित माहौल के चलते लोग अब दुबई की बजाय देश में ही लग्जरी क्रूज जैसा अनुभव लेना पसंद कर रहे हैं। गोवा, मुंबई, केरल के लिए एडवांस बुकिंग करवा रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि जब तक वैश्विक स्थिति सामान्य नहीं होती, तब तक घरेलू पर्यटन को बढ़ावा मिलता रहेगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की तैयारी में विपक्ष

- दोबारा नोटिस देंगे, मार्च में एक बार खारिज हो चुका

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए विपक्ष एक बार फिर कोशिश में जुटा है। सूत्रों के अनुसार, कई विपक्षी दलों के नेता आपस में बातचीत कर रहे हैं। करीब पांच सीनियर लीडर एक नए नोटिस का मसौदा तैयार करने पर काम कर रहे हैं, ताकि हटाने की कार्यवाही शुरू की जा सके। इससे पहले मार्च में विपक्ष ने ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए संसद में नोटिस दिया था। हालांकि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और राज्यसभा सभापति सीपी राधाकृष्णन ने इन नोटिसों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार के खिलाफ लगाए गए आरोप उन्हें टाने के लिए आवश्यक उच्च संवैधानिक मानदंडों को पूरा नहीं करते। नए नोटिस में विपक्ष कम से कम 200 सांसदों का समर्थन जुटाने की कोशिश कर रहा है।

सपा के पास पाप धुलने का मौका था,आधी आबादी माफ नहीं करेगी

लोकसभा में द्रौपदी के चीरहरण जैसा हुआ बर्ताव

लखनऊ (एजेंसी)। सीएम योगी ने रविवार को भाजपा और सहयोगी दलों के साथ लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान संसद में महिला आरक्षण बिल को लेकर सपा-कांग्रेस को आड़े हाथ लिया। योगी ने कहा- संसद में महिला सांसदों की संख्या 78 है। पीएम मोदी इसे बढ़ाना चाहते थे, लेकिन कांग्रेस-सपा बैरियर बने। सपा के पास गेस्ट हाउस कांड के पाप धोने का मौका था। ये चाहते हैं कि सब कुछ उनके परिवार को मिले। किसी अन्य नारी को न मिले, इसलिए बिल का विरोध किया। उन्होंने कहा- 2023 में नारी शक्ति

वंदन अधिनियम मंजूर हुआ था। 2029 से इसे लागू करने के लिए नारी शक्ति वंदन संशोधन बिल लाया गया। विशेष सत्र बुलाया गया। पीएम मोदी ने कहा था कि किसी का हक नहीं छीना जाएगा।

सपा ने मुस्लिम महिलाओं के आरक्षण की बात की

योगी ने कहा- इंडी गठबंधन षड्यंत्र करता है। यदि बिल पास होता तो नारी शक्ति को अधिकार मिलता। सपा ने मुस्लिम महिलाओं को आरक्षण की बात की। सपा वाले संविधान की दुहाई देते हैं, लेकिन बाबा साहब ने धर्म के आधार पर आरक्षण का विरोध किया था। उन्होंने कहा था कि भारत बार-बार विभाजन नहीं झेल सकता है, लेकिन सपा ने मुस्लिम महिलाओं के आरक्षण की मांग की।

विपक्ष के नारी विरोधी आचरण के कारण आक्रोश

योगी ने कहा- नारी शक्ति वंदन संशोधन बिल के दौरान इंडी गठबंधन के दलों का जो आचरण रहा है, वह पूरे देश ने देखा है। मोदी ने देश की सत्ता संभालते ही कहा था कि देश के अंदर चार ही जाति हैं- नारी, गरीब, युवा और किसान। जिन लोगों ने भारत को कमजोर करने की नीयत से अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए देश को लूटा है, उनके लिए यह चुनौती थी। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने हर प्रगतिशील कदम का विरोध किया। आधी आबादी के मन में विपक्ष के नारी विरोधी आचरण के कारण भारी आक्रोश है।

संक्षिप्त समाचार

वैशाली में सदर अस्पताल के पीछे जुआ अड्डे पर छापा

हाजीपुर। वैशाली जिले के नगर थाना क्षेत्र स्थित सदर अस्पताल के पीछे एक बड़े जुआ अड्डे पर पुलिस ने छापा मारा है। इस कार्रवाई में 19 लोगों को मौके से गिरफ्तार किया गया। यह अड्डा थाने से कुछ ही दूरी पर संचालित हो रहा था, जिसकी स्थानीय पुलिस को भनक तक नहीं लगी थी। वैशाली एसपी विक्रमशिला के निर्देश पर एक टीम गठित की गई, जिसने छापेमारी की। बताया गया है कि लगभग एक दर्जन से अधिक जुआरी मौके से फरार होने में सफल रहे। पुलिस फरार आरोपियों की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाल रही है। पुलिस के अनुसार, यह जुआ ऑनलाइन ऐप के माध्यम से संचालित किया जा रहा था। मौके से 40 हजार रुपये से अधिक नकद, कैलकुलेटर, वाउचर, मोबाइल फोन, मोटरसाइकिलें और ताश के पैकेट बरामद किए गए हैं। पुलिस ने जुआ अड्डे के मुख्य संचालक (मास्टरमाइंड) को भी गिरफ्तार कर लिया है। इसके अतिरिक्त, पुलिस जमीन मालिक के बारे में भी जांच-पड़ताल कर रही है और पूरे जुआ संचालक गिरोह को पकड़ने का प्रयास कर रही है। सदर वन डीएसपी सुबोध कुमार ने मीडिया को बताया कि यह जुआ अड्डा अवैध तरीके से चलाया जा रहा था। गिरफ्तार किए गए 19 लोगों में दीनानाथ चौधरी, श्याम बाबू सिंह, गौतम कुमार, सौरभ कुमार, मिलन कुमार, गणेश साह, सुनील कुमार, गौरी शंकर, राजेंद्र राम, अनिल कुमार वर्मा, विजय राम, मोहम्मद मंसूर, पप्पू साह, सुभाष कुमार, गणेश महतो, राजेश कुमार, बिरजू कुमार, लाल बाबू पासवान और बिट्टू कुमार शामिल हैं। गहन पूछताछ के बाद सभी को जेल भेज दिया गया है।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत

हाजीपुर। वैशाली में ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत हो गई। इस हादसे में महिला का भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना सराय थाना क्षेत्र में स्कूल रोड पर हुई। पुलिस ने घायलों को सदर अस्पताल हाजीपुर पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। मृतक महिला की पहचान सराय थाना क्षेत्र के नरेंद्र प्रबोधी गांव निवासी बिलटन रजक की पत्नी बेबी देवी के रूप में हुई है। घायल युवक की पहचान भिखारी रजक का बेटा नीतीश के रूप में हुई है। बेबी देवी अपने भतीजे के साथ बाइक से सराय बाजार की ओर जा रही थीं। तभी पीछे से आ रहे एक ट्रैक्टर ने ओवरटेक करने के प्रयास में उनकी बाइक को टक्कर मार दी। सूचना मिलते ही सराय थानाध्यक्ष दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने गंभीर रूप से घायल महिला और उसके भतीजे को तुरंत सदर अस्पताल हाजीपुर पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने बेबी देवी को मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने ट्रैक्टर को जब्त कर लिया है और आगे की कार्रवाई कर रही है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि स्कूल रोड पर अक्सर यातायात जाम रहता है, जिसके कारण इस मार्ग पर अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती हैं।

असम की गर्लफ्रेंड को वैशाली में छोड़कर भागा प्रेमी

हाजीपुर। वैशाली में शनिवार को प्रेमी की शादी रुकवाने के लिए असम की एक लड़की बिहार पहुंची। उसने आरोप लगाया कि उसका बॉयफ्रेंड शादी का झांसा देकर एक साल तक उसके साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रहा। जब उसने शादी की बात की, तो वह उसे अपने साथ बिहार लेकर आया, लेकिन घर पहुंचने से पहले ही उसने उसका सारा सामान छीन लिया और उसे छोड़कर फरार हो गया। पीड़िता ने किश्त पर फोन खरीदा और प्रेमी को कॉल किया, तो उसने कहा कि वह दूसरी लड़की से शादी कर रहा है, आज तिलक है और फोन काट दिया। वहीं, जब युवती ने उसके भाई से संपर्क किया, तो उसने जान से मारने की धमकी दी। तीन दिन तक भटकने के बाद शनिवार को स्थानीय थाने ने युवती की मदद की। युवक को थाने में बुलाकर दोनों के बीच समझौता कराया गया। इसके बाद युवक ने अपने परिजनों के सामने युवती की मांग में सिंदूर भरकर उससे शादी कर ली। असम के डिब्रूगढ़ की रहने वाली मीरा तांती ने बताया, 'मैं कोयंबटूर में एक निजी कंपनी में काम करती थी। इसी कंपनी में वैशाली के चांदपुरा ओपी निवासी धीरज कुमार भी काम करता था। यहीं हमदोनों की मुलाकात हुई और एक दूसरे से प्यार हो गया।" मीरा के अनुसार, धीरज ने उससे शादी का वादा किया और कई बार शारीरिक संबंध बनाए। युवती ने बताया, जब मैंने धीरज से शादी की बात कही, तो उसने मुझे बिहार चलने के लिए कहा। शादी की उम्मीद में मैं भी उसके साथ बिहार आने के लिए तैयार हो गई। हम दोनों गुरुवार को ट्रेन से पटना स्टेशन पहुंचे। इसके बाद जदुआ पुल के पास धीरज ने मेरा पर्स और मोबाइल फोन छीन लिया। पर्स में 15,000 रुपए कैश, एक सोने की चेन और एक अंगूठी थी, जिनकी कुल कीमत लगभग 1.60 लाख रुपए थी। धीरज मुझे ऑटो में छोड़कर फरार हो गया। गुरुवार को मैं पूरे दिन भटकती रही और मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या करूं। एक दिन बाद शुक्रवार को मैंने किश्त पर मोबाइल और सिम कार्ड खरीदा और धीरज से संपर्क किया। इस दौरान धीरज ने बताया कि वह किसी दूसरी लड़की से शादी कर रहा है और फोन काट दिया।"

'यादवों के मोहल्ले में चिराग पासवान का गाना नहीं बजेगा'

हाजीपुर। वैशाली में तेजस्वी यादव और चिराग पासवान का गाना बजाने को लेकर दो गुटो में जमकर मारपीट हुई। नौबत यहां तक आ गई कि एक पक्ष की तरफ से पत्थरबाजी की गई। पथराव में दूसरे पक्ष के कई लोग घायल हो गए। घायलों का कहना है कि, हमलोग पासवान हैं। हमारे समाज में एक लड़के की शादी थी। हमलोग डीजे पर 'तोर मजनुआ हकौ चिराग भईया के फैन गे पगली' गाना बजा रहे थे। जैसे ही बारात यादवों के मोहल्ले में पहुंची। वहां के लोगों ने गाना बंद करने को कहा। बात बढ़ी तो मारपीट शुरू हो गई। पूरा मामला बिदुपुर थाना क्षेत्र के कथौलिया बांध का है। पासवान मोहल्ले की रहने वाली बुधनी देवी ने बताया कि, मेरे बेटे पिंटू कुमार की बारात समस्तीपुर निकलने के लिए तैयार थी। परिजन 'बिलौकी' की रस्म' कर रहे थे। इस दौरान DJ ने 'तोर मजनुआ हकौ चिराग भईया के फैन गे पगली' गाना बजाया, जिस पर यादव समुदाय के लोगों ने आपत्ति व्यक्त की। बुधन देवी के मुताबिक, उनलोगों का कहना था कि यादव टोला में पासवान का गाना नहीं बजेगा। उनलोगों ने बारात को आगे बढ़ने से रोक दिया गया। इसके बाद यादव और पासवान समुदाय के बीच बहस शुरू हो गई, जो थोड़ी ही देर में हिंसक झड़प में बदल गया। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर पथराव करना शुरू कर दिया। जिस पर महौल और बिगड़ता चला गया। दूल्हे की मां बुधनी देवी ने बताया कि 'मारपीट के दौरान मेरे बाल को पकड़कर जमीन पर पटक दिया गया। मेरे गहने छीन लिए गए। गहना छीन लिया। उन्होंने बताया कि मेरे बेटे का बारात यादव लोगों ने रोक दिया था। पुलिस के आने के बाद सभी गाड़ियों को वहां से निकाला गया। स्थानीय नरेश पासवान ने बताया कि गांव से बारात निकल रही थी, तभी बारात में चिराग पासवान के गाना बजाने पर यादव लोग ईंट पत्थर चलाने लगे। उन्होंने बताया कि जब लालू यादव का गाना बजता है, तो उसे छोड़ देते हैं। वहीं जब चिराग पासवान का गाना हमलोग बजाते हैं तो वह लोग लाठी-डंडे, ईंट -पत्थर फेंकना शुरू कर देते है। इस संबंध में सदर एसडीपीओ1 सुबोध कुमार ने बताया कि दो पक्षों में पत्थरबाजी होने की सूचना प्राप्त हुई थी। मौके पर पहुंचकर पुलिस ने मामला शांत करवाया। घटना के बाद दहशत के कारण बरात नहीं निकल रही थी। पुलिस की मदद से बारातियों की गाड़ी को समस्तीपुर के लिए निकलवाया गया। अभी तक किसी पक्ष के द्वारा आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। आवेदन मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, दोनों पक्षों की तरफ से 5 लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।

पटना-गन पॉइंट पर अलंकार ज्वेलर्स में 20 लाख की लूट

एजेंसी, पटना

- बाइक से पहुंचे 5 अपराधी, हथियार दिखाकर दुकानदार-ग्राहक को बनाया बंधक, फायरिंग कर भागे

पटना के फुलवारी शरीफ स्थित अलंकार ज्वेलर्स में रविवार दोपहर करीब 20 लाख रुपए की लूट हो गई। बताया जा रहा है कि बाइक सवार 5 बदमाश श्रीलक्ष्मी अलंकार ज्वेलर्स की दुकान पर पहुंचे थे। सभी अपराधी हेलमेट पहने हुए थे। अपराधियों ने हथियार के बल पर दुकान मालिक और ग्राहकों को बंधक बना लिया। विरोध करने पर दुकान मालिक के साथ मारपीट भी की। इसके बाद बदमाश 5 से 6 मिनट के भीतर लूटपाट कर फरार हो गए।

चश्मदीदों के मुताबिक, भागने से पहले अपराधियों ने 2-3 राउंड फायरिंग भी की। घटना की सूचना मिलने के बाद रामकृष्ण नगर थाने की पुलिस और सदर पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी रंजन कुमार मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घायल दुकानदार का बयान दर्ज किया है और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। एसटीएफ की टीम भी मौके पर पहुंच गई है। यह घटना रामकृष्ण नगर थाना क्षेत्र के धनजी कॉलोनी की है।

बदमाशों ने 3 किलो चांदी के गहनें ले गए: पीड़ित दुकानदार धनजय कुमार बताया कि मैं दुकान में था और 3 ग्राहक खरीदारी करने पहुंचे थे। इसी दौरान 2 बाइक से 5 बदमाश आए। 2 बाहर ही खड़े थे। तीन अंदर आए। दुकान में घुसते ही हथियार निकाल लिया और हमलोगों को बंधकर बनाकर एक कोने में बैठा दिया। विरोध करने पर पिस्टल के बट से मेरे सिर पर वार भी किया है। मेरे सिर से खून निकलने लगा। अपराधियों ने कीमती ज्वेलरी लूटे हैं। इसमें 100 ग्राम सोने की ज्वेलरी और 3 किलो चांदी के गहनें शामिल हैं। इसकी कीमत करीब 20 लाख रुपए से अधिक है। वारदात के बाद सभी अपराधी हथियार लहराते हुए मौके से फरार हो गए।

फायरिंग करके भागे बदमाश: ज्वेलरी शॉप के बगल वाली दुकान के मालिक राजीव ने कहा कि मैंने देखा अपराधी बाइक से आए। 3 अपराधी दुकान के अंदर गए। दुकानदार धनजय के साथ मारपीट की। करीब 3 मिनट में वारदात को अंजाम दिया है। भागने के समय एक राउंड फायरिंग भी की है।

24 घंटे में मामले का खुलासा होगा: नगर पुलिस अधीक्षक पूर्वी परिचय कुमार ने कहा कि पांच अपराधियों ने वारदात को अंजाम दिया है। सीसीटीवी में दिख रहा है कि 2 अपराधी बाहर थे और 3 दुकान के अंदर गए थे। पीड़ित दुकानदार बता रहे हैं 15 से 20 लाख के गहनें लूटे गए हैं। हमारी टीम जांच में जुट गई है, 24 घंटे के अंदर खुलासा कर दिया जाएगा।

'महिला आरक्षण का कोई विरोध नहीं, बल्कि परिसीमन मुद्दा'

एजेंसी, पटना

- सीएम सम्राट की पीसी पर तेजस्वी बोले- वे मुख्यमंत्री बन गए, लेकिन बिल की समझ नहीं है

महिला आरक्षण बिल 2026 को लेकर बिहार की सियासत गरमा गई है। पटना में आरजेडी और विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की प्रेस कॉन्फ्रेंस पर तीखा हमला बोला है। तेजस्वी यादव ने कहा, "मुख्यमंत्री तो बन गए हैं, लेकिन उन्हें इस बिल की समझ ही नहीं है।" उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी महिला आरक्षण के खिलाफ नहीं है, लेकिन डीलिमिटेशन के मुद्दे पर सवाल उठाए जा रहे हैं। तेजस्वी ने आगे कहा कि, 'महिला आरक्षण का कोई विरोध नहीं है, लेकिन हम डीलिमिटेशन के मुद्दे पर सवाल उठाए रहे हैं। अगर महिलाओं को आरक्षण देना है तो 50 प्रतिशत आरक्षण दीजिए।'

तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि, महिला आरक्षण की आड़ में डीलिमिटेशन की राजनीति की जा रही है। जब यह बिल तीन साल पहले ही पास हो गया था तो राष्ट्रपति से उस पर हस्ताक्षर क्यों नहीं करवाए गए? अब तक इसे लागू क्यों नहीं किया गया?

सबसे ज्यादा महिलाओं को टिकट RJD ने दिया- तेजस्वी: तेजस्वी ने आगे कहा कि, 'लोकसभा और विधानसभा चुनाव में सबसे ज्यादा महिलाओं को टिकट RJD ने दिया था, जबकि बीजेपी के लोग महिलाओं का सम्मान नहीं करते हैं। आरएसएस के लोग महिलाओं से पैर धुलवाते हैं। ये लोग मनु समृति सोच वाले लोग हैं।'

ट्रिपल सी से नीतीश कुमार ने भी समझौता किया- तेजस्वी: निशांत कुमार के 'ट्रिपल सी' वाले बयान पर तेजस्वी ने कहा कि, 'ट्रिपल सी से तो नीतीश कुमार ने भी समझौता कर लिया।' उन्होंने कहा कि, 'यूपी और बिहार में सबसे ज्यादा क्राइम रेट है। बीजेपी एक कम्युनल पार्टी है।'

पटना जू में दिल्ली से आई सफेद बाघिन, रोहतक जू से पहुंचा दो ग्रीन इगुआना

एजेंसी, पटना

पटना जू का जल्द ही मोडिफिकेशन होने वाला है। इसके साथ ही दिल्ली से आए सफेद बाघिन का लोग जल्द ही दीदार कर सकेंगे। वहीं, पटना में पहली बार ग्रीन इगुआना दर्शकों को देखने को मिलेगा। पटना जू में दिल्ली और रोहतक जू से एनिमल एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत 17 नए जानवर लाए गए हैं। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अपर मुख्य सचिव आनंद किशोर ने कहा कि सभी को 10 मई के बाद आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा। तब तक जानवरों को क्वॉरेंटाइन में रखा गया है।

दिल्ली जू के साथ हुए समझौते के तहत, पटना जू को 1 सफेद बाघिन मिली है। वहीं, 6 संघाई हिरण, 4 सफेद ब्लैकबक, 4 पेंटेड स्टॉर्क लाया गया है। इसके साथ ही रोहतक जू से 2 ग्रीन इगुआना आया है। दिल्ली जू से लाए गए संघाई हिरण में दो नर और चार मादा, सफेद ब्लैकबक में दो नर और दो मादा हैं। इसके अलावा अभी और भी जानवर लाए जाएंगे। जू प्रशासन के अनुसार सफेद ब्लैकबक और हरे इगुआना विजिटर्स के लिए एक नया आकर्षण होंगे। नए जानवरों के लिए ब्लैकबक के बगल में एक अलग बाड़ा बनाया गया है। इसके अलावा रेप्टाईल घर में इगुआना के लिए एक कांच का बाड़ा (20x30 फीट) तैयार किया गया है। इगुआना फल, सब्जियां, पत्ते और कीड़े खाते हैं। उन्हें प्राकृतिक वातावरण की आवश्यकता होती है। इसके लिए उनके बाड़े में मजबूत टहनी, एक फाउंटेन और आसपास कुछ पत्थर और पत्ते भी लगाए गए हैं, जो नैचुरल लुक दे।

13 वर्षीय बच्चे की संदिग्ध मौत, बराह गांव में घर के बाहर मिला शव, परिजनों को हत्या की आशंका

एजेंसी, पटना

पटना जिले के पालीगंज अनुमंडल के रानीतालाब थाना क्षेत्र अंतर्गत बराह गांव में एक 13 वर्षीय बच्चे का शव संदिग्ध परिस्थितियों में घर के बाहर मिला है। मृतक की पहचान भोला कुमार के रूप में हुई है, जो राजकुमार यादव का बेटा था। मृतक के पिता राजकुमार यादव ने बताया कि, भोला रात को घर में ही था। सुबह जब वह घर में नहीं मिला तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। बाद में उसका शव घर के बाहर मिला। पिता ने बताया कि उसके शरीर पर चोट के भी निशान हैं। इसलिए परिजनों को शक है कि उसकी हत्या की गई है। उसकी मौत कैसे और कब हुई, यह अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है।

बेटे की गला दबाकर हत्या की गई है- पिता: मृतक के पिता राम कुमार यादव ने बताया कि, 'कल शाम 4 बजे से घर मेरा बेटा गायब था। काम करके सुबह 4 जब हम घर आए तो देखा कि मेरा बेटा भोला बाहर सोया हुआ है। पास जाकर देखा तो उसकी मौत हो गई थी। इसके बाद घर के लोगों को बुलाया और देखा कि उसके शरीर पर चोट के निशान हैं। मुझे पूरा शक है उसकी गला दबाकर हत्या की गई है और शव घर के बाहर फेंक कर भाग गया है।'

पुलिस और FSL टीम जांच में जुटी: घटना की सूचना मिलने पर पालीगंज डीएसपी 2 पंकज शर्मा और स्थानीय थाना पुलिस मौके पर पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए FSL (फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी) टीम को भी बुलाया गया, जो जांच में जुट गई है। थाना प्रभारी सह प्रशिक्षु डीएसपी विनय रंजन ने बताया कि, 'मौत के कारणों का पता लगाने के लिए हर पहलू से जांच की जा रही है। युवक की हत्या की गई है या अन्य कारण से मौत, यह पोस्टमार्टम और FSL रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। फिलहाल, घटना को लेकर बच्चे के परिवार से पूछताछ किया जा रहा है।'

कथित तौर पर नशे का आदी था नाबालिग: स्थानीय लोगों के अनुसार, मृतक भोला कुमार कथित तौर पर नशे का आदी था। कुछ लोगों का मानना है कि उसकी मौत नशे के कारण हुई है, लेकिन परिवार इस संबंध में कोई टिप्पणी नहीं कर रहा है। घटना के बाद गांव में लोगों की भीड़ जुट गई है और बच्चे की अचानक मौत को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। फिलहाल पुलिस परिजनों से पूछताछ कर रही है और सभी संभावित पहलुओं की जांच जारी है।

पटना एम्स में मॉर्डन थेरानॉस्टिक न्यूक्लियर मेडिसिन की मिलेगी सुविधा, दिल्ली-मुंबई नहीं जाना होगा

एजेंसी, पटना

पटना एम्स ने थायरॉयड कैंसर के इलाज के लिए मॉर्डन थेरानॉस्टिक न्यूक्लियर मेडिसिन सेवाओं की शुरुआत की है। इसके तहत, रेडियो-आयोडीन थेरेपी और PET-CT स्कैन जैसी उन्नत सुविधाएं अब एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी। यह कदम मरीजों को इलाज के लिए दूसरे राज्यों में जाने की आवश्यकता को समाप्त करेगा। अब तक थायरॉयड कैंसर के मरीजों को इस तरह के इलाज के लिए दिल्ली, मुंबई या अन्य बड़े शहरों का रुख करना पड़ता था। इससे उन्हें समय, पैसा और मानसिक तनाव का सामना करना पड़ता था। पटना में यह सुविधा उपलब्ध होने से हजारों मरीजों और उनके परिवारों को बड़ी राहत मिलेगी। इस सुविधा का उद्घाटन संस्थान के कार्यकारी निदेशक और सीईओ प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल ने किया।

जांच और इलाज आपस में एकीकृत होंगे: डॉ. अग्रवाल ने कहा कि यह पहल मरीजों के जीवन में राहत, विश्वास और समय पर सही इलाज की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। संस्थान का लक्ष्य हर मरीज को बिना देरी के सटीक और सुलभ उपचार देना है। इस अवसर पर संस्थान के कई वरिष्ठ डॉक्टर भी मौजूद थे। सभी विशेषज्ञों ने इस नई सुविधा को क्षेत्रीय स्वास्थ्य सेवाओं के लिए एक मील का पत्थर बताया। न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. पंकज कुमार, जो इस पहल का नेतृत्व कर रहे हैं, उन्होंने थेरानॉस्टिक्स के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह एक ऐसी तकनीक है जिसमें जांच और इलाज आपस में एकीकृत होते हैं। डॉ. कुमार के अनुसार, अब हर स्कैन केवल एक रिपोर्ट नहीं होगा, बल्कि यह इलाज की दिशा भी तय करेगा। इससे मरीजों को व्यक्तिगत और लक्षित थेरेपी प्रदान करने में मदद मिलेगी, जिससे उपचार अधिक प्रभावी और सटीक होगा।

एक ही छत के नीचे संपूर्ण इलाज नई सुविधा की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें PET-CT, SPECT-CT (गामा कैमरा) और रेडियो-आयोडीन थेरेपी का एकीकृत उपयोग किया जाएगा। इसका मतलब है कि थायरॉयड कैंसर के मरीजों को शुरुआती जांच से लेकर इलाज और उसके बाद की मॉनिटरिंग तक की पूरी सुविधा एक ही जगह मिलेगी। यह व्यवस्था न केवल बीमारी का जल्दी और सटीक पता लगाने में मदद करेगी, बल्कि इलाज के बाद उसकी प्रभावशीलता का आकलन भी बेहतर तरीके से किया जा सकेगा।

किफायती इलाज से बढ़ेगी पहुंच एम्स पटना फिलहाल बिहार और झारखंड का एकमात्र सरकारी संस्थान बन गया है जहां यह पूरी सुविधा किफायती दरों पर उपलब्ध है। इससे आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को भी उच्चस्तरीय इलाज मिल सकेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि PET-CT जैसी आधुनिक तकनीक को गामा कैमरा के साथ जोड़ने से कैंसर के निदान और इलाज में सटीकता कई गुना बढ़ जाएगी।

बिहार का एग्जीक्यूटिव इंजीनियर निकला करोड़पति

एजेंसी, पटना

- राजीव के करीबी ने जांच एंजेसी को दिया इनपुट, 3 ठिकानों पर 7 घंटे चली रेड

नगर विकास एवं आवास विभाग के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर राजीव कुमार के घर से 7.70 लाख कैश मिला है। इसके साथ ही जमीन से जुड़े कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और कीमती गहने मिले हैं। जांच में सामने आया है कि राजीव कुमार ने एक करोड़ 10 लाख 24 हजार 271 रुपए की अवैध संपत्ति बनाई है। स्पेशल विजिलेंस यूनिट (SVU) ने शनिवार को राजीव कुमार के ठिकानों पर 7 घंटे तक रेड की थी। यह छापेमारी आशियाना के रामनगरी स्थित सुमित चंद्रम गृहम अपार्टमेंट में उनके फ्लैट, दानापुर के खगौल रोड स्थित लैंडमार्क गोल्ड स्थित फ्लैट और पंत भवन स्थित उनके ऑफिस में की गई। बताया जाता है कि राजीव के करीबी ने ही जांच एजेंसी को पूरी जानकारी दी है। निगरानी की 8 सदस्यीय टीम रामनगरी स्थित सुमित चंद्र गृहम अपार्टमेंट के वेस्ट ब्लॉक में फ्लैट नंबर- B 202 में पहुंची थी। एसवीयू के डीएसपी चंद्र भूषण श्रीवास्तव के नेतृत्व में घर में छानबीन की गई। बताया जाता है कि राजीव कुमार अपने परिवार के सदस्यों के साथ इसी अपार्टमेंट में रहते हैं। दूसरा ठिकाना दानापुर के खगौल रोड में लैंडमार्क गोल्ड का फ्लैट नंबर 807 है। वहीं, तीसरा ठिकाना पंत भवन के 6वें फ्लोर स्थित इनका सरकारी ऑफिस था।

घरों से निकले गंदे पानी को लेकर बनेगी पॉलिसी

एजेंसी, पटना

बिहार के घरों, दुकानों से निकलने वाले गंदे पानी का इस्तेमाल अब खेती-बागवानी में किए जाएंगे। दरअसल, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (STP) के ट्रीटेड पानी के लिए नगर विकास एवं आवास विभाग द्वारा पॉलिसी बनाई जा रही है। इससे अब यह पानी न केवल नदियों में छोड़े जाएंगे, बल्कि पार्कों, सड़क किनारे पौधों, सरकारी परिसर के बगीचों में सिंचाई के लिए भी इस्तेमाल किए जाएंगे। वहीं, सड़क सफाई, निर्माण कार्य, कार वाशिंग, आदि में भी इसे यूज किया जा सकता है।

फैक्ट्री को निर्धारित दर में उपलब्ध होगा STP का पानी: बुडको द्वारा बिहार के सभी STP संचालित होते हैं। बुडको प्रशासन के अनुसार पाटलिपुत्र इंडस्ट्रियल एरिया में कई फैक्ट्रियां हैं, जहां पर बड़ी मात्रा में पानी का इस्तेमाल एक्सटर्नल वर्क के लिए किया जाता है। ऐसे में ट्रीटेड वॉटर का इस्तेमाल करने से जो टैप वॉटर है, उसकी बचत होगी। इस पहल से भूजल पर दबाव घटेगा और उद्योगों को पानी की आसान उपलब्धता होगी। कारखानों और उद्योगों को सस्ते में पानी उपलब्ध कराने के लिए दर को तय किया जाएगा। इसके लिए बुडको कंपनियों से कांटेक्ट करेगी और जरूरत होने पर उन्हें STP का पानी उपलब्ध कराएगी। अभी फिलहाल पटना में STP का पानी ट्रीट करके गंगा या फिर पुनपुन में छोड़ा जा रहा है।

बिहार को पहली 'सेंगर सीक्वेंसिंग मशीन' मिली

महावीर कैंसर संस्थान पटना में कैंसर जीन की होगी सटीक पहचान, मरीजों को मिलेगा बेहतर इलाज

एजेंसी, पटना

बिहार में कैंसर के इलाज और अनुसंधान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। पटना के फुलवारीशरीफ स्थित महावीर कैंसर संस्थान में अत्याधुनिक 'सेंगर सीक्वेंसिंग मशीन' स्थापित की गई है। यह मशीन राज्य की पहली ऐसी सुविधा है, जो कैंसर से जुड़े जीन की सटीक पहचान करने में सहायक होगी। इस मशीन की लागत लगभग 63 लाख रुपये है, जिसके लिए इंडियन ऑयल ने महावीर कैंसर संस्थान को वित्तीय सहायता प्रदान की है। इस नई तकनीक से कैंसर जीन पर शोध करना अब और भी आसान हो जाएगा। महावीर कैंसर संस्थान के शोध विभाग के डॉक्टर मोहम्मद अली ने बताया कि यह मशीन संस्थान के शोध विभाग को कैंसर के जीन की पहचान और अनुसंधान में काफी मदद करेगी।

नोबेल विजेता तकनीक पर आधारित: सेंगर सीक्वेंसिंग तकनीक की मूल खोज वर्ष 1977 में ब्रिटेन के प्रसिद्ध बायोकेमिस्ट फ्रेडरिक सेंगर और उनके सहयोगियों ने इंग्लैंड में की थी। इस महत्वपूर्ण वैज्ञानिक उपलब्धि के लिए सेंगर को वर्ष 1980 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। यह तकनीक आज भी डीएनए विश्लेषण के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण आधार मानी जाती है। संस्थान की मेडिकल निदेशक डॉ. मनीषा सिंह के अनुसार, यह मशीन कैंसर के जीन की गहराई से जांच संभव बनाती है। प्रक्रिया के तहत, सबसे पहले मरीज के ट्यूमर या रक्त के नमूने से डीएनए निकाला जाता है। इसके बाद पीसीआर तकनीक का उपयोग करके डीएनए को कई गुना बढ़ाया जाता है। फिर सेंगर सीक्वेंसिंग मशीन के माध्यम से जीन की संरचना का विश्लेषण कर यह पता लगाया जाता है कि कैंसर किस प्रकार का है और उसमें कौन से जेनेटिक बदलाव मौजूद हैं।

डॉ. मनीषा सिंह का मानना है कि इस मशीन से न केवल कैंसर की जल्दी और सटीक पहचान संभव होगी, बल्कि मरीजों के लिए 'पर्सनलाइज्ड ट्रीटमेंट' यानी उनकी जेनेटिक प्रोफाइल के अनुसार इलाज भी तय किया जा सकेगा। इससे उपचार की सफलता दर बढ़ने की उम्मीद है।

अब तक इस तरह की उन्नत जांच के लिए मरीजों को दिल्ली, मुंबई या अन्य बड़े शहरों का रुख करना पड़ता था, जिससे समय और खर्च दोनों अधिक होता था। लेकिन इस नई सुविधा के शुरू होने से बिहार और आसपास के राज्यों के मरीजों को स्थानीय स्तर पर ही उच्च गुणवत्ता की जांच उपलब्ध हो सकेगी। विशेषज्ञों ने इसे राज्य के स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए मील का पत्थर बताया है। उनका मानना है कि यह पहल न केवल इलाज को बेहतर बनाएगी, बल्कि कैंसर अनुसंधान को भी नई दिशा देगी।

संक्षिप्त समाचार

हत्या के प्रयास मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। बंजरिया थाना कांड संख्या 247/26 से जुड़े हत्या के प्रयास मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राजेश कुमार और मुकेश कुमार के रूप में हुई है। दोनों के पिता का नाम उमाशंकर साह है तथा ये सिसवा गांव, थाना बंजरिया, जिला पूर्वी चंपारण के निवासी हैं। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर लिया गया है और उनके विरुद्ध अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है। मामले में आगे की जांच जारी है।

विशेष छापेमारी में चार वारंटी गिरफ्तार

बीएनएम @ घोड़ासहन। थाना क्षेत्र में पुलिस द्वारा चलाए गए विशेष छापेमारी अभियान के दौरान विभिन्न कांडों में वांछित चार वारंटियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस की इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया। गिरफ्तार वारंटियों में टीआर संख्या 890/25 के तहत सोगारथ राय एवं राजवंशी राय, दोनों निवासी सपहा शामिल हैं। वहीं टीआर संख्या 330/22 के तहत नागेंद्र ठाकुर और रामपदार्थ राय, दोनों निवासी धूमनगर को भी पुलिस ने दबोच लिया। पुलिस ने सभी आरोपियों को विधिसम्मत तरीके से गिरफ्तार कर लिया है और उनके विरुद्ध अग्रिम कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया जारी है। थाना क्षेत्र में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस का अभियान आगे भी जारी रहने की बात कही गई है।

रक्सौल में बिजली उपभोक्ताओं के लिए राहतः आज से लगेंगे विशेष समाधान शिविर

बीएनएम @ रक्सौल। बिजली से जुड़ी समस्याओं से परेशान उपभोक्ताओं के लिए राहत भरी खबर है। अब बिजली बिल की गड़बड़ी, स्मार्ट मीटर की दिक्कत या ट्रांसफार्मर खराब होने जैसी शिकायतों के समाधान के लिए लोगों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। ऊर्जा विभाग के निर्देश पर अप्रैल महीने के हर सोमवार और शुक्रवार को सभी विद्युत अभियंता कार्यालयों में विशेष समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। रक्सौल के विद्युत कार्यपालक अभियंता अजय कुमार ने बताया कि इन शिविरों का उद्देश्य उपभोक्ताओं को सरल, त्वरित और पारदर्शी सेवा देना है। शिविर में दर्ज शिकायतों का निपटारा 72 घंटे के भीतर करने का लक्ष्य तय किया गया है, ताकि लोगों को समय पर राहत मिल सके। इन शिविरों में बिजली बिल में गड़बड़ी और सुधार, स्मार्ट प्रीपेड मीटर से जुड़ी तकनीकी समस्याएं, बकाया भुगतान से संबंधित मुद्दे, झुके हुए पोल, ढीले तार, कम वोल्टेज और खराब ट्रांसफार्मर जैसी शिकायतों का समाधान किया जाएगा। इसके अलावा नए बिजली कनेक्शन और कृषि कनेक्शन के लिए आवेदन, नाम परिवर्तन की प्रक्रिया तथा पीएम सूर्यघर योजना से जुड़ी जानकारी और सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी। कार्यपालक अभियंता ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपनी शिकायत दर्ज कराने के लिए पुराना बिजली बिल, पहचान पत्र (आधार कार्ड) और पासपोर्ट साइज फोटो साथ लेकर आएं, ताकि मौके पर ही कार्रवाई संभव हो सके। ऊर्जा विभाग ने चेतावनी भी जारी की है कि अप्रैल माह समस्याओं के समाधान और बकाया जमा करने का अंतिम अवसर है। यदि इस दौरान उपभोक्ता अपनी स्थिति ठीक नहीं करते हैं, तो मई महीने में डिफॉल्टरों के खिलाफ नीलाम पत्र वाद की कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी। इसके साथ ही बकाया वसूली के लिए विशेष अभियान चलाकर बिजली कनेक्शन काटने की प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी। शिविर का आयोजन हर सोमवार और शुक्रवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक सभी संबंधित विद्युत अभियंता कार्यालयों में किया जाएगा।

पांच दर्जन पंचों ने हस्ताक्षरित आवेदन देकर सदर डीएसपी से निष्पक्ष जांच करने की मांग की

बीएनएम @ तुरकौलिया। माधोपुर शेखटोली के दस्तगीर आलम ने सदर डीएसपी-1 को आवेदन देकर तुरकौलिया काण्ड संख्या 192/2026 की निष्पक्ष जांच करने का गुहार लगाया है। जहां उसने बताया है कि माधोपुर शेखटोली के मो0 रागिब एकबाल के विरुद्ध न्यायालय में 341/2025 का मुकदमा विचाराधीन है। ट्रायल संख्या 4588/2026 है। जिसमें वह 65 दिन जेल में भी रह चुका है। लेकिन जेल से बाहर आने के बाद मुकदमा वापस करने का वह दबाव बनाने लगा। मुकदमा वापस नहीं लेने पर साजिश रचकर मनगढ़ंत कहानी बनाकर तुरकौलिया थाना में 12 अप्रैल को अपनी मां के माध्यम से एक दर्जन परिजनों के विरुद्ध झूठी मुकदमा काण्ड संख्या 192/26 दर्ज करा दिया है। मुकदमे का निष्पक्ष जांच कराई जाए। ताकि उसे और उसके परिवार को अनावश्यक उत्पीड़न से बचाया जा सके। आवेदन के साथ करीब पांच दर्जन पंचों का हस्ताक्षरित पंचनामा भी डीएसपी को दिया गया है। जिसमें बताया गया है कि रागिब एकबाल द्वारा मनगढ़ंत एवं झूठा मुकदमा दर्ज कराया गया है। जो बेबुनियाद है। न्यालय में चल रहे मुकदमे को वापस कराने को लेकर दबाव बनाने का साजिश रचा गया है। ताकि चल रहे मुकदमे को प्रभावित किया जा सके।

सूखा नशा कारोबारी गिरफ्तार, 5.74 किलो मादक पदार्थ बरामद

बीएनएम @ महुआवा। थाना पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम कटकेनवा से एक सूखा नशा कारोबारी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान दिलीप कुमार, पिता विश्वनाथ सहनी, निवासी पंचरोहता, थाना सिमसगढ़, जिला बारा (नेपाल) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी के पास से कुल 5.74 किलोग्राम गांजा जैसा मादक पदार्थ बरामद किया गया है। साथ ही एक मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है, जिसका उपयोग तस्करी में किया जा रहा था। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है और मामले में आगे की जांच जारी है। संयुक्त कार्रवाई को सीमावर्ती क्षेत्रों में नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता माना जा रहा है।

सुगौली में नाबालिग के अपहरण पर बवाल, बरामदगी की मांग तेज

सागर सूरज

मोतिहारी (पूर्वी चंपारण): जिले के सुगौली थाना क्षेत्र से एक नाबालिग लड़की के कथित अपहरण के मामले ने अब तूल पकड़ लिया है। मामले में कार्रवाई में देरी से नाराज़ स्थानीय लोग सैकड़ों की संख्या में सड़क पर उतर आए हैं और लड़की की जल्द बरामदगी की मांग को लेकर धरना पर बैठ गए हैं। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और वरीय अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर त्वरित कार्रवाई की मांग की।

मिली जानकारी के अनुसार, 26 मार्च 2026 को सुबह करीब 9 बजे कोचिंग जाने के दौरान नाबालिग लड़की को कुछ लोगों द्वारा बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप है। परिजनों ने इस संबंध में सुगौली थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। हालांकि, घटना के कई दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस द्वारा लड़की की बरामदगी नहीं होने से लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

आवेदन में यह भी आरोप लगाया गया है कि मामले में शामिल आरोपियों के परिजन पीड़ित परिवार को लगातार धमकी दे रहे हैं और केस वापस लेने का दबाव बना रहे हैं। इतना ही नहीं, लड़की के साथ किसी अनहोनी की आशंका भी जताई गई है। कुछ स्थानीय लोगों ने इस घटना को "लव जिहाद" से जोड़ते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं, जिससे क्षेत्र का माहौल और भी तनावपूर्ण हो गया है।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि अगर जल्द से जल्द लड़की को बरामद कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं की गई, तो आंदोलन और उग्र किया जाएगा। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि मामले की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए और पीड़ित परिवार को सुरक्षा प्रदान की जाए।

वहीं, पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और लड़की की बरामदगी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

सोनबरसा में श्रद्धा व उल्लास के साथ मनाई गई भगवान परशुराम जयंती, अक्षय तृतीया पर जुटे श्रद्धालु

बीएनएम @ हरसिद्धि

हरसिद्धि। प्रखंड क्षेत्र के सोनबरसा पंचायत अंतर्गत वार्ड संख्या 06 में रविवार को अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर भगवान श्री परशुराम जयंती श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाई गई। सतीश चौबे के दरवाजे पर आयोजित इस कार्यक्रम में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी और पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान परशुराम की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन और पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इसके बाद श्रद्धालुओं ने माल्यार्पण कर भगवान का जन्मोत्सव मनाया। जयघोष से वातावरण पूरी तरह धार्मिक रंग में रंग गया। आयोजन स्थल को आकर्षक ढंग से सजाया गया था, जिससे कार्यक्रम की भव्यता और बढ़ गई। इस अवसर पर वक्ताओं ने भगवान परशुराम के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वे भगवान विष्णु के छठे अवतार माने जाते हैं। उन्होंने अपने तप, त्याग और पराक्रम से अधर्म के खिलाफ संघर्ष कर समाज में न्याय की स्थापना की। वक्ताओं ने कहा कि उनका जीवन आज भी सत्य, धर्म और अन्याय के विरुद्ध खड़े होने की प्रेरणा देता है। अक्षय तृतीया के महत्व पर चर्चा करते हुए बताया गया कि यह दिन सनातन परंपरा में अत्यंत शुभ माना जाता है और इस दिन किए गए दान-पुण्य, जप-तप एवं धार्मिक कार्य अक्षय फल प्रदान करते हैं। इसी मान्यता के तहत श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना के साथ दान-पुण्य कर समाज में सद्भाव का संदेश दिया। कार्यक्रम में रमेश चौबे, मंटू पांडेय, प्रणव दुबे, सतीश चौबे, रोशन कुमार, विकेश पांडेय, अनिरुद्ध चौबे, राजू सिंह, शिव तिवारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी रही। अंत में सामूहिक आरती कर प्रसाद वितरण किया गया।

अंबेडकर प्रतिमा खंडित होने से भड़का आक्रोश, गांव में तनाव

बीएनएम @ पचपकड़ी

पचपकड़ी। थाना क्षेत्र के भंडार गांव में शनिवार देर रात असामाजिक तत्वों द्वारा हनुमान मंदिर के समीप स्थापित बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को तोड़ दिए जाने से इलाके में आक्रोश फैल गया। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए और विरोध जताने लगे। ग्रामीणों ने इस घटना को सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की साजिश बताते हुए दोषियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। लोगों का कहना है कि ऐसी हरकतें समाज में तनाव पैदा करती हैं और इसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सूचना मिलते ही पचपकड़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त प्रतिमा को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है ताकि आरोपियों की पहचान कर उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जा सके। घटना के बाद से गांव में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए इलाके में पुलिस बल की तैनाती बढ़ा दी गई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दोषियों को कड़ी सजा दी जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उल्लेखनीय है कि इससे पहले घोड़ासहन में भी महात्मा गांधी की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त किए जाने की घटना सामने आ चुकी है।

हस्तलिखित 'भागवत पुराण' के दुर्लभ अंश का अवलोकन, संरक्षण पर दिया गया जोर

बीएनएम @ बेतिया

बेतिया। शहर में सांस्कृतिक धरोहरों की खोज को एक नई दिशा मिली है। कृष्णमोहन प्रसाद के निजी संरक्षण में हस्तलिखित 'भागवत पुराण' का एक दुर्लभ अंश प्राप्त हुआ है, जिसने इतिहास और संस्कृति प्रेमियों के बीच उत्साह पैदा कर दिया है। इस महत्वपूर्ण खोज के उपलक्ष्य में उप विकास आयुक्त काजले वैभव नितिन स्वयं उनके आवास पर पहुंचे और पांडुलिपि का अवलोकन किया। इस दौरान उक्त पांडुलिपि को 'ज्ञान भारतम' एप पर भी अपलोड किया गया, ताकि इसे व्यापक स्तर पर संरक्षित और साझा किया जा सके। उप विकास आयुक्त ने इस धरोहर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्ता को रेखांकित करते हुए इसके संरक्षण पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्राचीन पांडुलिपियां हमारी समृद्ध परंपरा और ज्ञान-विरासत की अमूल्य धरोहर हैं, जिन्हें सुरक्षित रखना और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। इस अवसर पर जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी राकेश कुमार भी मौजूद रहे। उप विकास आयुक्त ने जिलेवासियों से अपील की कि जिनके पास भी इस प्रकार की प्राचीन पांडुलिपियां या ऐतिहासिक दस्तावेज सुरक्षित हैं, वे आगे आकर सरकार के संरक्षण कार्यक्रम से जुड़ें और इन धरोहरों को सुरक्षित रखने में सहयोग करें।

प्रखर समाजसेवी व सेवानिवृत्त शिक्षक कृष्णनंदन सिंह का निधन, क्षेत्र में शोक की लहर

बीएनएम @ पताही

पताही। प्रखंड क्षेत्र के जिहुली पंचायत निवासी प्रखर समाजसेवी एवं सेवानिवृत्त शिक्षक कृष्णनंदन सिंह का शनिवार देर रात 75 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही जिहुली पंचायत सहित पूरे पताही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। रविवार सुबह से ही उनके आवास पर श्रद्धांजलि देने और परिजनों को सांत्वना देने वालों का तांता लगा रहा। स्वर्गीय सिंह अपने सादगीपूर्ण जीवन, मिलनसार स्वभाव और समाज सेवा के प्रति समर्पण के लिए क्षेत्र में विशेष पहचान रखते थे। अपने शिक्षकीय जीवन के दौरान उन्होंने कई पीढ़ियों को शिक्षा का मार्ग दिखाया और समाज में जागरूकता फैलाने का कार्य किया। सेवानिवृत्ति के बाद भी वे सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रहे और पंचायत स्तर पर लोगों की समस्याओं के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे। वे जिहुली पंचायत के वर्तमान सरपंच रितेश कुमार के पिता थे। उनके परिवार में तीन पुत्र और दो पुत्रियां हैं। बड़े पुत्र नीरज कुमार जिहुली उत्क्रमित मध्य विद्यालय में प्रधानाचार्य हैं, जबकि दूसरे पुत्र नितेश कुमार पकड़ीदयाल अस्पताल में एम एंड ई पद पर कार्यरत हैं। सबसे छोटे पुत्र रितेश कुमार पंचायत के सरपंच के रूप में जनसेवा कर रहे हैं। कृष्णनंदन सिंह का व्यक्तित्व सरल, सौम्य और सहयोगी था। वे हर वर्ग के लोगों के बीच समान रूप से लोकप्रिय थे और सामाजिक व पारिवारिक आयोजनों में उनकी सक्रिय भागीदारी रहती थी। जरूरतमंदों की सहायता करना उनके जीवन का अभिन्न हिस्सा था, जिसके कारण वे लोगों के दिलों में विशेष स्थान रखते थे। उनके निधन को क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति माना जा रहा है। इस दुखद अवसर पर ढाका-चिरैया के पूर्व विधायक अवनीश कुमार सिंह, चिरैया विधायक लालबाबू प्रसाद गुप्ता, पताही प्रखंड प्रमुख धर्मेंद्र कुमार, भाजपा प्रखंड अध्यक्ष टुनटुन सिंह, ई. संजय कुमार, जिला परिषद प्रतिनिधि श्यामसुंदर सिंह उर्फ गुड्डू सिंह, जिला परिषद सदस्य नसीम अख्तर, उप प्रमुख प्रतिनिधि ओमप्रकाश सिंह, मुखिया संघ अध्यक्ष सुरेश सिंह, पंचायत समिति सदस्य पदमाक्ष रंजन शास्त्री सहित कई जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की है।

अरेराज में धूमधाम से मनाई गई भगवान परशुराम जयंती, शोभा यात्रा में उमड़ी भीड़

बीएनएम @ अरेराज

अरेराज। भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम की जयंती अरेराज में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत श्री सोमेश्वर नाथ महादेव मंदिर परिसर स्थित ठाकुर मंदिर में पूजा-अर्चना से हुई, जहां पीठाधीश्वर महंत रवि शंकर गिरि ने विधि-विधान से भगवान परशुराम की आराधना की। पूजा के बाद मंदिर परिसर से भव्य शोभा यात्रा निकाली गई, जो ढोल-नगाड़ों के साथ नगर भ्रमण करते हुए पांडे वाटिका होटल पहुंची। यहां पहुंचकर शोभा यात्रा सभा में तब्दील हो गई, जहां श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या मौजूद रही। सभा का शुभारंभ मुख्य अतिथि महामानव चंचल बाबा, विधायक राजू तिवारी, बीडीओ आदित्य नारायण दीक्षित, मुख्य पार्षद रंटू पांडे, प्रोफेसर कामेश्वर मिश्र, राजेंद्र मिश्रा, विवेकानंद पांडे और मदन मोहन शास्त्री ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर पूर्व मुख्य पार्षद मंटू दूबे, मुखिया देशबंधु सिंह, दुलार पांडे, पैक्स अध्यक्ष पप्पू पांडे, संजय ओझा सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे। पूरे आयोजन के दौरान क्षेत्र में भक्ति और उत्साह का माहौल बना रहा।

रामगढ़वा में धूमधाम से मनी बाबा साहेब की जयंती, उत्कृष्ट कार्य करने वाले हुए सम्मानित

बीएनएम @रामगढ़वा

रामगढ़वा। प्रखंड मुख्यालय स्थित मध्य विद्यालय के प्रांगण में अंबेडकर ज्ञान मंच के बैनर तले संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे पूर्व विधायक शशि भूषण सिंह एवं पूर्व विधायक राजेंद्र राम सहित अन्य अतिथियों ने बाबा साहेब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। समारोह की विशेषता यह रही कि समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली विभूतियों को मंच द्वारा सम्मानित किया गया। अतिथियों का स्वागत मिथिलेश पासवान, मुकेश यादव और नंदू राम ने अंगवस्त्र और माला पहनाकर किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने बाबा साहेब के 'शिक्षित बनो, संगठित रहो' के संदेश को दोहराते हुए समाज में समानता, भाईचारे और न्याय की भावना को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर द्वारा परिकल्पित न्यायपूर्ण समाज की स्थापना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस मौके पर मुनेश राम, मिथिलेश पासवान, सुमन राम, नंदू राम, जयप्रकाश राम, अर्जुन प्रसाद, जिला परिषद प्रतिनिधि कमरुद्दीन मंसूरी, साहेब यादव, जयकिशोर यादव और हेमराज राम सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

संतुलित उर्वरक प्रबंधन पर रामगढ़वा में जागरूकता अभियान, किसानों को दी गई वैज्ञानिक खेती की सलाह

बीएनएम @रामगढ़वा

रामगढ़वा। प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित सभागार में कृषि विभाग, बिहार सरकार के निर्देशानुसार कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंध अभिकरण (आत्मा) द्वारा एक दिवसीय "प्रखंड स्तरीय प्रशिक्षण सह जागरूकता अभियान" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन आत्मा के अध्यक्ष मेराज आलम और प्रखंड कृषि पदाधिकारी पारसनाथ काजी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में किसानों को उर्वरकों के संतुलित उपयोग और समेकित उर्वरक प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में आवश्यकता से अधिक रासायनिक उर्वरकों के उपयोग से मिट्टी की उर्वरक क्षमता लगातार कमजोर हो रही है। इससे न केवल उत्पादन लागत बढ़ रही है, बल्कि जमीन की प्राकृतिक शक्ति भी क्षीण हो रही है, जिसका असर भविष्य में फसलों की गुणवत्ता और पैदावार पर पड़ेगा। अधिकारियों ने किसानों को सलाह दी कि वे मिट्टी जांच (सॉयल टेस्ट) के आधार पर ही खाद का उपयोग करें और जैविक खाद को प्राथमिकता दें। प्रशिक्षण सत्र के दौरान प्रखंड समन्वयक विभूति सिंह और बीटीएम विनेश कुमार ने किसानों को उर्वरक प्रबंधन के वैज्ञानिक तरीकों और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में क्षेत्र के उर्वरक विक्रेता रितेश कुमार, अरुण कुमार, विकास झा सहित बड़ी संख्या में प्रगतिशील किसान उपस्थित रहे। किसानों की ओर से वीरेंद्र सिंह, विनोद सिंह सहित अन्य ने अपनी समस्याएं और जिज्ञासाएं रखीं, जिनका अधिकारियों ने मौके पर ही समाधान किया। अंत में सभी उपस्थित लोगों ने मिट्टी की सेहत को बचाने और वैज्ञानिक खेती को अपनाने का संकल्प लिया।

संक्षिप्त समाचार

भागवत पुराण का अंश मिलने से इतिहास प्रेमियों में उत्साह

बीएनएम @ बेतिया। शहर में सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण की दिशा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। कृष्णमोहन प्रसाद के निजी संग्रह से हस्तलिखित 'भागवत पुराण' का एक दुर्लभ अंश प्राप्त हुआ है, जिसने इतिहासकारों और संस्कृति प्रेमियों के बीच उत्साह की लहर दौड़ा दी है। इस खोज की गंभीरता को देखते हुए उप विकास आयुक्त काजले वैभव नितिन ने स्वयं उनके आवास पर जाकर पांडुलिपि का सूक्ष्म अवलोकन किया। धरोहर को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के उद्देश्य से इसे 'ज्ञान भारतम' ऐप पर भी अपलोड किया गया है, ताकि आम जनमानस इस अमूल्य विरासत से परिचित हो सके।इस अवसर पर जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी राकेश कुमार की उपस्थिति में उप विकास आयुक्त ने जोर देकर कहा कि ऐसी पांडुलिपियां हमारी प्राचीन ज्ञान-परंपरा और समृद्ध सांस्कृतिक इतिहास की जीवंत गवाह हैं। उन्होंने जिलेवासियों से भावुक अपील की कि यदि उनके पास भी ऐसी कोई प्राचीन सामग्री या ऐतिहासिक दस्तावेज सुरक्षित हैं, तो वे सरकार के संरक्षण कार्यक्रम में हाथ बढ़ाएं। प्रशासन अब इन दुर्लभ दस्तावेजों के संकलन, डिजिटलीकरण और भौतिक संरक्षण के कार्यों में तेजी ला रहा है, ताकि हमारी ऐतिहासिक पहचान को आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और सुलभ बनाया जा सके।

जनाधार वाले नेताओं की अनदेखी और करीबियों को सुरक्षाः शक्ति यादव

बीएनएम @पटना। बिहार में सुरक्षा श्रेणियों के आवंटन को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार को 'Z' श्रेणी की सुरक्षा दिए जाने के निर्णय पर मुख्य विपक्षी दल राष्ट्रीय जनता दल ने कड़ा ऐतराज जताया है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, सुरक्षा व्यवस्था की उच्च स्तरीय समीक्षा के बाद यह कदम उठाया गया है। गौरतलब है कि 'Z' श्रेणी की सुरक्षा में कमांडो और विशेष पुलिस बल तैनात रहते हैं, जो उपमुख्यमंत्री विजय चौधरी और पूर्व उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा जैसे वरिष्ठ नेताओं को भी प्राप्त है।राजद प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने इस फैसले को पक्षपातपूर्ण बताते हुए सरकार को घेरा है। उन्होंने तर्क दिया कि भारी जनाधार वाले नेता तेजस्वी यादव को अब तक Z+ सुरक्षा नहीं दी गई है, जबकि इसके लिए बार-बार मांग की गई है। विपक्ष का आरोप है कि सरकार सुरक्षा मानकों के बजाय राजनीतिक निकटता के आधार पर प्राथमिकताएं तय कर रही है। सत्ता पक्ष की ओर से अब तक इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन इस विवाद ने प्रदेश की राजनीति में भेदभाव और सुरक्षा के 'सियासी इस्तेमाल' पर नई बहस छेड़ दी है।

11 संदिग्धों के घुसने की सूचना पर पहुंचे मुख्य सचिव और डीजीपी

बीएनएम @ मोतिहारी। भारत-नेपाल सीमा पर स्थित रक्सौल बॉर्डर पर सुरक्षा व्यवस्था अभूतपूर्व रूप से कड़ी कर दी गई है। 11 संदिग्ध व्यक्तियों के बिहार में प्रवेश करने की खुफिया जानकारी मिलने के बाद पूरे सीमावर्ती क्षेत्र में हाई अलर्ट घोषित है। इस गंभीर स्थिति का जायजा लेने के लिए राज्य के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत और डीजीपी विशेष हेलीकॉप्टर से रक्सौल पहुंचे, जहां उन्होंने शीर्ष अधिकारियों के साथ एक आपातकालीन बैठक की। इस बैठक में एसटीएफ, नागरिक उड्डयन विभाग और दोनों चंपारण के डीएम-एसपी सहित एसएसबी के कमांडेंट भी शामिल हुए।बैठक के दौरान सीमा पार से होने वाली अवैध गतिविधियों जैसे फर्जी पहचान पत्र (आधार) का उपयोग, जाली मुद्रा, साइबर धोखाधड़ी और विदेशी फंडिंग पर सख्त लगाम लगाने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने स्पष्ट किया कि 'नो मैन्स लैंड' से अतिक्रमण हटाने और सीमा के 15 किलोमीटर के दायरे में सघन तलाशी अभियान चलाने की रणनीति तैयार की गई है। साथ ही, रक्सौल हवाई अड्डे के विस्तार के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया की भी समीक्षा की गई।सुरक्षा आंकड़ों के अनुसार, 2022 से 2026 के बीच सीमावर्ती क्षेत्रों में शराब, हथियार और मादक पदार्थों की तस्करी के हजारों मामले दर्ज किए गए हैं, जबकि विदेशी घुसपैठ के 41 मामलों पर कार्रवाई हुई है। प्रशासन ने स्पष्ट संदेश दिया है कि राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता नहीं किया जाएगा और हर संदिग्ध गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा रही है।

गरीबों पर पड़ रहा कानून का बोझ, अब होनी चाहिए इसकी समीक्षा : मांझी

बीएनएम @पटना : बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतराम मांझी ने शराबबंदी कानून की कार्यप्रणाली पर कड़े सवाल उठाते हुए इसकी समीक्षा की मांग की है। पटना एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि यद्यपि कानून की मंशा उचित है, लेकिन इसके क्रियान्वयन का सबसे अधिक आर्थिक और कानूनी बोझ गरीब तबके पर पड़ रहा है।मांझी ने चिंता जताते हुए कहा कि छोटे मामलों में गरीब लोग कानूनी झंझटों में फंसकर अपनी आजीविका खो रहे हैं, जबकि राज्य में अवैध और जहरीली शराब का कारोबार फल-फूल रहा है। उन्होंने खतरनाक रसायनों से बनी शराब से होने वाली मौतों को अत्यंत गंभीर बताया। जीतन राम मांझी ने उम्मीद जताई कि उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली नई सरकार इस कानून की विसंगतियों को दूर करने के लिए ठोस कदम उठाएगी। वहीं, तेजस्वी यादव द्वारा केंद्रीय एजेंसियों पर उठाए गए सवालों को उन्होंने अनावश्यक करार देते हुए कहा कि एजेंसियां अपने नियमों के तहत निष्पक्ष कार्य करती हैं।

ढोल-नगाड़ों के बीच पुलिस ने चस्पा किया इश्तहार

बीएनएम @ बगहाः बगहा के धनहा थाना की पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर मारपीट मामले के फरार आरोपी जितेंद्र प्रजापति के घर रविवार को इश्तहार चस्पा किया। ढोल-नगाड़ों के साथ दौनहा गांव पहुंची पुलिस टीम ने कांड संख्या 380/2025 के मुख्य अभियुक्त के घर नोटिस चिपकाकर कड़ी चेतावनी दी। थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी बीते 5 महीनों से फरार है। यदि वह शीघ्र आत्मसमर्पण नहीं करता है, तो प्रशासन द्वारा कुर्की-जब्ती की कार्रवाई शुरू की जाएगी। पुलिस की इस सख्त मुहिम से क्षेत्र के अपराधियों में हड़कंप व्याप्त है।

वीणा सेंट्रल स्कूल में मची तबाही, जांच में जुटा प्रशासन

बीएनएम @ सीतामढ़ीः सीतामढ़ी के परिहार प्रखंड स्थित खैरवा गांव के वीणा सेंट्रल स्कूल में भीषण आग लगने से लाखों की संपत्ति जलकर खाक हो गई। ग्रामीणों की तत्परता और भारी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, परंतु तब तक स्कूल के फर्नीचर और महत्वपूर्ण दस्तावेज नष्ट हो चुके थे। प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है; प्राथमिक रूप से आग का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। सुखद बात यह रही कि घटना के समय छात्र मौजूद नहीं थे, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।

बीरगंज मेन रोड विस्तारः सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू

बीएनएम @ रक्सौल/बीरगंज

रक्सौल/बीरगंज। लंबे समय से विवादों में घिरा बीरगंज मेन रोड विस्तार कार्य अब अमल के चरण में पहुंच गया है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद सड़क डिवीजन कार्यालय ने अतिक्रमण हटाने के लिए बुलडोजर चलाकर कार्रवाई शुरू कर दी है, जिससे वर्षों से अटकी यह योजना अब जमीन पर उतरती दिख रही है। अधिवक्ता चन्द्रिका प्रसाद पटेल ने इस कार्रवाई को कानून के शासन का उदाहरण बताते हुए कहा कि यह न तो हुकूमी रवैया है, न ही किसी तरह की गुंडागर्दी या राज्य आतंक, बल्कि केवल सुप्रीम कोर्ट के आदेश का अनुपालन है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में न सरकार और न ही आम नागरिक कानून से ऊपर होते हैं, बल्कि सर्वोपरि केवल विधि का शासन होता है। बीरगंज मेन रोड के दोनों ओर 25-25 मीटर सड़क सीमा निर्धारित करने का निर्णय कोई नया नहीं है। यह फैसला विक्रम संवत 2034 में तत्कालीन श्री 5 की सरकार द्वारा राजपत्र में प्रकाशित किया गया था। इसी आधार पर वर्ष 2076 में भौतिक पूर्वाधार तथा यातायात मंत्रालय के अंतर्गत सड़क विभाग ने वीरगंज–पथलैया सड़क खंड में बने अतिक्रमित संरचनाओं को हटाने की सूचना जारी की थी। इस नोटिस के बाद प्रभावित व्यवसायियों और स्थानीय लोगों ने मुआवजा और क्षतिपूर्ति की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने 28 फागुन 2081 को याचिका खारिज करते हुए मुआवजे की मांग को अस्वीकार कर दिया, जिससे प्रशासन को कार्रवाई का रास्ता साफ हो गया। फैसले के अनुपालन में सड़क डिवीजन कार्यालय, हेटौंडा ने 6 वैशाख 2083 से बीरगंज में अतिक्रमित ढांचों को हटाने का अभियान शुरू कर दिया है। इसके साथ ही लंबे समय से प्रतीक्षित सड़क विस्तार योजना अब धरातल पर आकार लेने लगी है। अधिवक्ता पटेल के अनुसार यह कार्रवाई किसी एक सरकार का तात्कालिक निर्णय नहीं, बल्कि वर्ष 2076 में शुरू हुई प्रक्रिया का ही परिणाम है, जो अब लागू हो रही है। उन्होंने कहा कि बीरगंज को व्यवस्थित और सुंदर शहर बनाने के लिए यह कदम आवश्यक था। हालांकि उन्होंने यह भी माना कि प्रभावित दुकानदारों और व्यापारियों को कुछ और समय दिया जाता तो बेहतर होता। उन्होंने राज्य से अपेक्षा जताई कि वह अपनी अभिभावकीय भूमिका निभाते हुए विकास कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाए। अंत में उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस पहल से बीरगंज के समग्र विकास को गति मिलेगी और शहर की सूरत बदलने में मदद मिलेगी।

भद्र घाट से कंगन घाट तक हटा अतिक्रमण, 45 अवैध ढांचे ध्वस्त

» जिलाधिकारी के निर्देश पर हुई कार्रवाई

बीएनएम @ पटना

पटनाः पटना सिटी में गंगा नदी के किनारे प्रशासन ने अतिक्रमण के विरुद्ध एक व्यापक अभियान चलाया। जिलाधिकारी के निर्देश पर भद्र घाट से कंगन घाट तक लगभग 3.5 किलोमीटर के क्षेत्र में यह कार्रवाई की गई। सुबह से ही प्रशासनिक टीम और भारी पुलिस बल की तैनाती के कारण पूरे क्षेत्र में काफी सख्ती देखी गई।अभियान के दौरान कई स्थानों पर अवैध कब्जों को चिह्नित किया गया और त्वरित कार्रवाई करते हुए कुल 45 अस्थायी ढांचों को हटा दिया गया। इसमें 10 झोपड़ियां और 35 छोटी दुकानें शामिल थीं। इसके अतिरिक्त, दो दुकानों के सामान को जब्त किया गया और अतिक्रमण करने वालों से मौके पर ही 3 हजार रुपये का जुर्माना भी वसूला गया। वरिष्ठ अधिकारियों ने स्वयं उपस्थित रहकर पूरे क्षेत्र का निरीक्षण किया और स्थानीय निवासियों से जानकारी साझा की। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि यह अभियान भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगा और नए अतिक्रमण को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।प्रशासन के अनुसार, कुछ स्थानों पर पक्के निर्माण के मामले भी सामने आए हैं, जिन पर कानूनी प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है। अंचल अधिकारी द्वारा इस संबंध में मामला दर्ज किया गया है और नियमानुसार इन ढांचों को भी ढहाया जाएगा। जिलाधिकारी ने कड़े शब्दों में कहा कि गंगा किनारे का यह क्षेत्र जनहित से जुड़ा है और यहाँ सरकारी विकास योजनाओं में कोई भी बाधा स्वीकार्य नहीं होगी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि नदी किनारे की यह भूमि सरकारी है और राष्ट्रीय हरित अधिकरण तथा उच्चतम न्यायालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार बाढ़ प्रभावित मैदानी क्षेत्रों में किसी भी प्रकार का निर्माण पूरी तरह प्रतिबंधित है।

एक शाम शहीदों के नाम' कार्यक्रम में उमड़ा राष्ट्रभक्ति का सैलाब

टाउन हॉल में गूंजे देशभक्ति के तराने, शहीदों की याद में नम हुईं आँखें

बीएनएम @ शेखपुरा

शेखपुराः शेखपुरा के टाउन हॉल में 18 अप्रैल की संध्या को 'सशस्त्र सेना झंडा दिवस' कोष संग्रह के उद्देश्य से 'एक शाम शहीदों के नाम' सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस गौरवमयी समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि उप विकास आयुक्त संजय कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी प्रियंका और गृह विभाग के क्षेत्रीय अधिकारी राजेश वर्मा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया।समारोह के आरंभ में अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) ने जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों, जिनमें अपर समाहर्ता, जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी और जिला भू-अर्जन पदाधिकारी शामिल थे, को शॉल और पौधे भेंट कर सम्मानित किया। इसके उपरांत, स्थानीय और पटना से आए कलाकारों ने अपनी देशभक्तिपूर्ण प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। मधुर संगीत और राष्ट्रभक्ति के गीतों ने न केवल दर्शकों का मन मोह लिया, बल्कि उन्हें झूमने पर मजबूर कर दिया। कलाकारों ने अपनी कला के माध्यम से सीमाओं पर तैनात सैनिकों के अदम्य साहस और बलिदान को जीवंत कर दिया।कार्यक्रम के समापन पर एसडीएम ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य सरहद की रक्षा में शहीद हुए जवानों के परिवारों की सहायता करना है। उन्होंने घोषणा की कि कार्यक्रम से अर्जित आय के माध्यम से शहीद परिवारों को आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाएगा। इस दौरान शहीदों के परिजनों को सम्मानित भी किया गया। इस भव्य आयोजन में जिला प्रशासन के तमाम अधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में प्रबुद्ध नागरिक और मीडिया कर्मी उपस्थित रहे, जिससे पूरा वातावरण राष्ट्रभक्ति के रंग में सराबोर नजर आया।

ज्ञान और एकता से मजबूत होगी सामाजिक नींवः विजय पांडेय

बीएनएम @ बगहा

500 से अधिक श्रद्धालुओं की मौजूदगी में मना परशुराम जन्मोत्सव

बगहा : बगहा के रत्नमाला स्थित समाजसेवी व जदयू नेता विजय पांडेय के आवास पर भगवान परशुराम जन्मोत्सव अत्यंत श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण, पुष्पांजलि और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर आयोजक मंडल के सदस्यों—विजय कुमार पांडेय, सुरेंद्र उपाध्याय, इंद्रसेन पांडेय और अन्य—ने उपस्थित विप्रजनों का चंदन तिलक लगाकर स्वागत किया और उन्हें अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। संस्कृत भारती के संचालक देव निरंजन दीक्षित के कुशल संचालन में विद्वान आचार्यों ने मंगलकारी स्वस्तिवाचन का पाठ किया।संबोधन सत्र के दौरान वक्ताओं ने समाज को नई दिशा देने वाले विचार साझा किए। आयोजक विजय पांडेय और सुरेंद्र उपाध्याय ने कहा कि हमें भगवान परशुराम के 'अग्रतः चतुरो वेदाः पृष्ठतः सशरं धनुः' के आदर्शों का पालन करते हुए शास्त्र और शस्त्र, दोनों में निपुण होना चाहिए। संजय तिवारी और निप्पू कुमार पाठक ने नैतिक जागरण और ज्ञान की महत्ता पर बल देते हुए कहा कि समाज में प्रतिष्ठा के लिए स्वयं को ज्ञान के भंडार से परिपूर्ण करना अनिवार्य है। भाजपा नेता गजेंद्र मिश्रा और रत्नेंद्र नाथ तिवारी ने ब्राह्मण एकता की आवश्यकता को रेखांकित किया, जबकि प्रिंसिपल अरविंद कुमार तिवारी ने सामाजिक भेदभाव मिटाकर सुख-दुख में एक-दूसरे का साथ देने का आह्वान किया।इस कार्यक्रम का सबसे ऐतिहासिक क्षण तब आया जब पंडित उमाशंकर महिला कॉलेज के प्रिंसिपल के संबोधन से प्रभावित होकर वरिष्ठ नेता गजेंद्र धर मिश्र ने भगवान परशुराम मंदिर निर्माण हेतु स्वेच्छा से भूमि दान करने की घोषणा की। इस घोषणा के साथ ही पूरा पंडाल 'जय परशुराम' के नारों से गुंजायमान हो उठा। इस गौरवशाली उत्सव में रविकेश मिश्र, डॉ. प्रेमनाथ तिवारी, अधिवक्ता गीता मिश्र सहित 500 से अधिक श्रद्धालुओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिससे यह आयोजन भक्ति और सामाजिक एकजुटता का प्रतीक बन गया।

सम्राट चौधरी का नेतृत्व बिहार को बनाएगा अपराध मुक्तः डॉ. मनीष पंकज मिश्रा

बीएनएम @ पटना

पटना। भारतीय जनता पार्टी के कद्दावर नेता सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री पद की कमान संभालने पर समर्थकों में भारी उत्साह है। इसी क्रम में प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने पटना पहुंचकर मुख्यमंत्री का भव्य अभिनंदन किया। इस शिष्टाचार मुलाकात के दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री को अंगवस्त्र, पवित्र विष्णु चरण चिन्ह और पुष्पगुच्छ भेंट कर अपनी हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई प्रेषित की।डॉ. मिश्रा ने सम्राट चौधरी के सफर को प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि एक समर्पित कार्यकर्ता से लेकर मुख्यमंत्री के पद तक पहुँचना उनकी कर्मठता, संघर्ष और संगठन के प्रति अटूट निष्ठा का प्रमाण है। उन्होंने विश्वास जताया कि सम्राट चौधरी के कुशल नेतृत्व में बिहार सुशासन, विकास और सुरक्षा के नए कीर्तिमान स्थापित करेगा। उन्होंने विशेष रूप से जोर दिया कि अब बिहार अपराध मुक्त बनेगा और युवाओं को रोजगार व महिलाओं को सशक्त सुरक्षा मिलेगी। डॉ. मिश्रा के अनुसार, मुख्यमंत्री के रूप में सम्राट चौधरी बिहार की जनता के भरोसे पर खरा उतरते हुए राज्य को एक नई ऊर्जा और दिशा प्रदान करेंगे।

25 वर्षीया महिला की संदिग्ध मौत, परिजनों में मची चीख-पुकार

बीएनएम @ बगहा

बगहा : बगहा नगर के पारस नगर मोहल्ले में एक महिला की संदिग्ध जहर (पॉइजनिंग) के कारण हुई मौत ने इलाके में सनसनी फैला दी है। मृतका की पहचान दयानंद सहनी की 25 वर्षीया पत्नी बबिता देवी के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, बबिता को पिछले कुछ दिनों से खांसी की शिकायत थी, जिसके लिए घर में दवा रखी गई थी। आशंका व्यक्त की जा रही है कि घटना के वक्त घर में किसी अन्य सदस्य की अनुपस्थिति में, महिला ने गलती से खांसी की सिरप की जगह खेतों में छिड़काव वाली कीटनाशक दवा का सेवन कर लिया।जहर के असर से तबीयत बिगड़ने पर उन्हें तत्काल एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहाँ से नाजुक स्थिति को देखते हुए उन्हें रेफर कर दिया गया। इसके बाद परिजन उन्हें अनुमंडल अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद इलाज के दौरान सुबह करीब 10:40 बजे चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही नगर थाना की पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सटीक कारणों का खुलासा हो पाएगा। फिलहाल, पुलिस मामले की गहराई से छानबीन कर रही है ताकि यह स्पष्ट हो सके कि यह महज एक दुखद दुर्घटना है या इसके पीछे कोई अन्य कारण मौजूद है। इस हृदयविदारक घटना के बाद मृतका के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे पारस नगर में शोक की लहर है।

अवैध शराब की छापेमारी के दौरान ग्रामीणों का हमला, तीन पुलिसकर्मी घायल

» महिला सिपाही समेत तीन अस्पताल में भर्ती

बीएनएम @ बगहा

दरभंगा। दरभंगा जिले के बहेड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत धरौड़ा के दलित टोला में रविवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब अवैध शराब के खिलाफ छापेमारी करने पहुंची मद्य निषेध विभाग की टीम पर ग्रामीणों ने अचानक हमला बोल दिया। इस हिंसक झड़प में तीन पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार, मद्य निषेध थानाध्यक्ष सिद्धार्थ कुमार के नेतृत्व में टीम गांव में शराब के निर्माण और बिक्री की सूचना पर कार्रवाई करने पहुंची थी। टीम ने जैसे ही दबिश दी, स्थानीय लोगों के एक गुट ने विरोध जताते हुए पुलिस बल को चारों तरफ से घेर लिया और उन पर हमला कर दिया।इस हमले की चपेट में आने से एएसआई विनोद कुमार मिश्रा, सिपाही सतीश कुमार और महिला सिपाही शाम्भवी रानी चोटिल हो गए। आनन-फानन में सभी घायल पुलिसकर्मियों को बेनीपुर अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां फिलहाल उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव व्याप्त है, जिसे देखते हुए प्रशासन ने गांव में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने इस कृत्य की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि उपद्रवियों और हमलावरों की पहचान की जा रही है और उनके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि इस तरह के हमलों से शराबबंदी अभियान थमेगा नहीं और अवैध कारोबार के खिलाफ कार्रवाई भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगी। वर्तमान में पुलिस गांव में गश्त कर शांति व्यवस्था बहाल करने में जुटी है।

अर्थव्यवस्था की मूलभूत समस्याएं

अर्थव्यवस्था का संकट बढ़ रहा है। दरअसल, जड़ कमजोर हो, तो आंधी अधिक भयानक मालूम पड़ने लगती है। यही भारत की मौजूदा हकीकत है। लेकिन ऐसा नहीं है कि अर्थव्यवस्था की मूलभूत समस्याएं भारत सरकार को मालूम ना रही हों।

चिंता की कोई बात ना होने जैसे प्रधानमंत्री और अन्य मंत्रियों के आश्वासनों के बावजूद हकीकत यही है कि खुद केंद्र गहरी चिंता में है। इसका प्रमाण वित्त मंत्रालय की ताज़ा मासिक समीक्षा रिपोर्ट है। इसमें अर्थव्यवस्था के सामने मौजूद जोखिमों का साफ-साफ जिक्र किया गया है। स्वीकार किया गया है कि इस महीने आर्थिक गतिविधियां धीमी हुईं। हालांकि इसके केवल घरेलू कारण भी हैं, मगर खासकर पश्चिम एशिया में युद्ध और ऊर्जा आपूर्ति की अनिश्चितताओं से समस्या बेहद गहरी हो गई है। इस कारण सबसे बड़ी चिंता खाद्य पदार्थों की महंगाई को लेकर खड़ी हुई है। बढ़ती कीमतें ग्रामीण और शहरी गरीब वर्ग पर असमान असर डाल रही हैं।

ऊर्जा लागत में वृद्धि से महंगाई का दबाव और बढ़ सकता है। इसके अलावा व्यापार घाटा और चालू खाते का घाटा बढ़ रहा है। विदेशी निवेश में सुस्ती से रुपये पर दबाव है, जिससे वित्तीय बाज़ारों में अस्थिरता का खतरा बढ़ा है। यानी समस्या चौतरफा है। जब जड़ कमजोर हो, तो आंधी अधिक भयानक मालूम पड़ने लगती है। यही भारत की मौजूदा हकीकत है। ऐसा नहीं है कि अर्थव्यवस्था की मूलभूत समस्याएं सरकार को मालूम ना रही हों। खुद मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन इनको लेकर आगाह करते रहे हैं, जिन्होंने ताजा समीक्षा रिपोर्ट तैयार की है। मसलन 2025 में पेश आर्थिक सर्वेक्षण में कहा गया था कि वित्तीय क्षेत्र का अनियंत्रित विकास वास्तविक अर्थव्यवस्था पर भारी पड़ रहा है। पिछले वर्ष उन्होंने कहा कि भारत में आईपीओ प्रवर्तक निवेशकों के लिए निकास का साधन बन गए हैं। यानी ये पूंनिवेश का साधन नहीं रहे। इस वर्ष जनवरी में पेश आर्थिक सर्वे में कहा गया कि भारतीय निक्षेत्र जोखिम उठाने को तैयार नहीं है और वह अनुसंधान एवं विकास के इंजन को आगे बढ़ाने में विफल रहा है। इसके बावजूद निक्षेत्र एवं वित्तीय आर्थिकी को केंद्र में रखते हुए ऊंची जीडीपी वृद्धि दर को भारतीय अर्थव्यवस्था की खास पहचान बनाया गया। मगर ये खंभे रेत पर खड़े हैं। अब चूंकि परिस्थितियां प्रतिकूल हो गई हैं, तो ये डोलते नजर आ रहे हैं। मासिक समीक्षा रिपोर्ट का सार-संक्षेप यही है।

कोविड 19: जख्मों पर मरहम है सुप्रीम कोर्ट का फैसला

मुस्ताअली बोहरा

ईजराइल-अमेरिका और ईरान के बीच चल रही जंग के बीच अहम खबर दबकर रह गई। ये खबर जुड़ी है सर्वोच्च न्यायालय के उस फैसले से जो कोविड-19 को लेकर दिया गया है। कुछ दिनों पहले ही याचिकाओं की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि कोविड-19 टीकाकरण के बाद होने वाले गंभीर दुष्प्रभावों के मामलों में "दोष तय किए बिना मुआवजा देने की नीति" तैयार की जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि जब कोई टीकाकरण कार्यक्रम राज्य द्वारा संचालित सार्वजनिक स्वास्थ्य पहल के रूप में चलाया जाता है, तो सरकार उन परिवारों के प्रति अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती जो टीकाकरण के बाद मौत या गंभीर दुष्प्रभावों का आरोप लगाते हैं। अदालत ने यह भी कहा कि सरकारी आंकड़े स्वयं यह स्वीकार करते हैं कि कोविड-19 टीकाकरण के बाद कुछ मौतें हुई हैं, इसलिए प्रभावित परिवारों को बिना किसी राहत व्यवस्था के नहीं छोड़ा जा सकता। सुप्रीम कोर्ट जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की खंडपीठ ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 21 (जीवन के अधिकार) को केवल गलती या लापरवाही के दृष्टिकोण से नहीं देखा जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह कोविड-19 टीकाकरण के बाद होने वाले गंभीर प्रतिकूल प्रभावों के लिए "नो-फॉल्ट मुआवजा नीति" तैयार करे। यह आदेश रचना गांगू बनाम भारत संघ समेत कई याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान दिया गया, जिन्हें उन परिवारों ने दायर किया था जिन्होंने टीकाकरण के बाद मौत या गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का आरोप लगाया था। अदालत ने कहा कि महामारी के दौरान चलाया गया टीकाकरण कार्यक्रम राज्य की संवैधानिक जिम्मेदारी का हिस्सा था और इससे कई लोगों की जान बची। लेकिन यदि सरकारी डेटा यह दिखाता है कि कुछ लोगों की मौत या गंभीर दुष्प्रभाव हुए हैं, तो राज्य इससे पूरी तरह अलग नहीं हो सकता। कोर्ट में याचिकाकर्ताओं ने अंतरराष्ट्रीय शोधों का हवाला देते हुए कहा था कि एस्ट्राजेनेका प्लेटफॉर्म (जिसका भारतीय संस्करण कोविशील्ड है) से दुर्लभ रक्त के थक्के बनने जैसी समस्याओं के मामले सामने आए हैं और इन जोखिमों के बारे में पर्याप्त जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बड़े पैमाने पर चलने वाले टीकाकरण कार्यक्रमों में वैज्ञानिक रूप से यह साबित करना कि नुकसान किस कारण हुआ, अक्सर जटिल होता है। ऐसे में केवल लापरवाही साबित करने पर आधारित कानूनी उपाय पर्याप्त नहीं होते, क्योंकि इससे प्रभावित परिवारों पर भारी बोझ पड़ता है और परिणाम असंगत हो सकते हैं। अदालत ने यह भी उल्लेख किया कि यूके, ऑस्ट्रेलिया और जापान जैसे कई देशों में वैक्सीन से जुड़े दुष्प्रभावों के लिए नो-फॉल्ट मुआवजा योजना मौजूद है, जिससे बिना लंबी कानूनी प्रक्रिया के प्रभावित लोगों को

आर्थिक सहायता मिल जाती है। मालूम हो कि केंद्र सरकार ने सन 2022 में कोर्ट में दाखिल किए गए जवाबी हलफनामे में कहा था कि टीकाकरण स्वैच्छिक था और लोगों ने जोखिमों की जानकारी के आधार पर स्वयं निर्णय लेकर टीका लगवाया था, इसलिए सरकार मुआवजा देने के लिए बाध्य नहीं है। सरकार के अनुसार लोगों ने संभावित जोखिमों की जानकारी के आधार पर स्वयं निर्णय लेकर टीका लगवाया था। पाठकों को याद होगा जब भी कोविड वैक्सीन के विपरीत प्रभाव के कारण मौतों की खबर सामने आ रही थी तब सरकार की ओर से कभी जिम तो कभी डांस को मौत का कारण बता दिया जाता था। या फिर कभी किसी मृतक की पुरानी बीमारी जैसे हार्ट डिसीस, या टीबी या ऐसी ही किसी बीमारी की वजह से मौत होना बता दिया जाता था।

पाठकों को बता दें कि एम्स दिल्ली के पैथोलॉजी और फोरेंसिक मेडिसिन विभाग ने मई 2023 से अप्रैल 2024 तक स्टडी की थी। यह स्टडी इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च में प्रकाशित भी हुई है। इसमें हत्या, आत्महत्या और नशे की वजह से मौतों को छोड़कर अचानक होने वाली मौतों पर रिसर्च किया गया।

19-45 साल और 46-65 साल के लोगों की मौतों के डेढ़ सौ से ज्यादा मामलों की जांच हुई। अध्ययन में पाया गया कि युवाओं में दो तिहाई मौतों की वजह दिल की बीमारियां थी। इन मौतों में अधिकांश मामलों में एथेरोस्क्लेरोटिक कोरोनरी आर्टरी डिजीज पाई गई, मतलब दिल की नसों में 70 प्रतिशत से अधिक ब्लॉकेज। इसके अलावा युवाओं की मौत के एक तिहाई मामलों में सांस से जुड़ी बीमारियां जैसे न्यूमोनिया, टीबी को पाया गया। बीस फीसदी मामलों में मौतों की कोई स्पष्ट वजह नहीं मिल सकी। एम्स की स्टडी में बताया गया है कि इन मौतों के मामलों में औसत उम्र सिर्फ 30.5 साल थी। इसमें सबसे ज्यादा मामले 30-40 साल की उम्र के 50 प्रतिशत और 20-30 साल की उम्र के 40 प्रतिशत लोगों के थे। आधे मामलों में जब दिल की टिश्यू की बारीक जाँच (हिस्टोपैथोलॉजी) की गई, तो उसमें दिल में कुछ हल्के-मामूली बदलाव दिखे जैसे दिल की मांसपेशियाँ थोड़ी मोटी हो जाना, धमनियों में चर्बी की पतली परत जमना या दिल के छोटे-छोटे हिस्सों में खून की हल्की कमी के निशान का मिलना। स्टडी में कहा गया कि ये बदलाव इतने गंभीर नहीं थे कि मौत का सीधा कारण बन सकें। एम्स स्टडी में युवाओं की अचानक मौतों का सबसे बड़ा कारण दिल से जुड़ी बीमारियां बताई गई हैं। इसके अलावा सांस की समस्याएँ और हार्ट अटैक आदि की मुख्य वजह बताई गई है। हालांकि, एम्स दिल्ली की स्टडी और रिपोर्ट पर दिगर विशेषज्ञ चिकित्सक भी सवालिया निशान लगा चुके हैं। बीबीसी की एक रिपोर्ट में पुणे डॉक्टर अमिताभ बनर्जी ने कहा था कि स्टडी में करीब बीस प्रतिशत मामलों में मौत का कारण पता नहीं चला, क्या इन अज्ञात मामलों में कोविड वैक्सीन का कोई रोल तो नहीं? डॉक्टर अमिताभ बनर्जी भारत में इस्तेमाल हुई कोविशील्ड वैक्सीन के संदर्भ में कहते हैं यूरोप के कई देशों ने कोविशील्ड वैक्सीन को दुर्लभ लेकिन गंभीर साइड इफेक्ट्स जैसे ब्लड क्लॉट्स की वजह से अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया था। उन्होंने एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन के उत्पादन बंद होने पर भी सवाल उठाया था। कोरोना का टीका बनाने वाली फार्मास्युटिकल कंपनी एस्ट्राजेनेका ने ये माना था कि उसके वैक्सीन के गंभीर साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं। कंपनी ने ब्रिटेन के हाई कोर्ट में इस बात को माना था कि वैक्सीन के कारण किसी को थ्रोम्बोसिस विद थ्रोम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम जैसी स्थिति हो सकती है। एस्ट्राजेनेका ने ही भारत में सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के साथ मिलकर कोविशील्ड को तैयार किया था। खैर ये माना जा सकता है कि ये साइड इफेक्ट्स रेयरेस्ट ऑफ द रेयर है लेकिन जब करोड़ों लोगों पर इसका उपयोग हो तो प्रभावितों की संख्या में अधिक हो सकती है।

एम्स की रिपोर्ट भले ही ये कहती हो कि वैक्सीन का अचानक हुई मौतों खासकर युवाओं की मौतों, से कोई संबंध नहीं है लेकिन एम्स को अपनी स्टडी में यह भी बताना था कि फिर आखिर वे कौन से कारण हैं जिनसे युवाओं की अचानक मौतें हुई। अचानक होने वाली मौतों का सिलसिला तो अभी भी जारी है। बहरहाल, कोरोना का असर वैश्विक था। लेकिन, जितनी मौतें भारत में हुईं शायद ही किसी और देश में इतनी मौतें हुईं हों खासकर युवाओं की। जो भी हो, शीर्ष अदालत के इस फैसले से उन पीड़ितों को जरूर राहत मिलेगी जो वैक्सीन के विपरीत असर की वजह से पीड़ित हैं। सुप्रीम कोर्ट का ये निर्णय मृतकों के परिजनों और पीड़ितों के जख्म पर मरहम का काम जरूर करेगा।

नफरत की राजनीति का नया हथियार : पालतू सूअर

राम पुनियानी

दिल्ली के त्रिनगर के निवासी कुछ हिन्दू परिवारों ने पूजा-अर्चना का एक नया तरीका ईजाद किया है। इसका एक लाभ यह है कि इससे उनके मुसलमान पड़ोसी परेशान और दुखी होते हैं।

इस इलाके के कुछ परिवार इन दिनों अपने घरों में सुअरों को पिंजरों में रखते हैं और बाहरी दीवारों पर गहने पहने हुए सूअर जैसे चेहरे वाले देवता के पोस्टर लगाते है। यह मुस्लिम बसाहटों के नजदीक स्थित बस्तियों में हो रहा है। पिंजरों में कैद सूअरों का अब्दुल या रहमान या ऐसा ही कोई नाम रखा जाता है और जब भी कोई मुस्लिम वहां से निकलता है तो जोर-जोर से उन्हें इन नामों से पुकारा जाता है। इसके साथ ही रहती है सजी-धजी, आभूषणों से सुसज्जित भगवान वराह की तस्वीर, जिन्हें विष्णु का तीसरा अवतार माना जाता है। कुछ लोगों का कहना है कि यह चलन एक साल पहले शुरू हुआ। वहीं कुछ कहते हैं कि यह सिलसिला कुछ ही महीनों पुराना है। मुसलमानों की सूअरों के प्रति नापसंदगी जानी-मानी है। जाहिर है कि यह मुसलमानों को भड़काने का एक नया तरीका है। इस तरह की चालें अक्सर समुदायों के बीच नफरत की दीवारें खड़ी करने के लिए चली जाती हैं।

हमें यह पता नहीं है कि किस उर्वर और नफरत से भरे दिमाग मे यह तरकीब खोजी और ना ही हमें यह पता है कि यह सब केवल दिल्ली की एक बस्ती तक सीमित है या और कही भी यह हो रहा है। लेकिन इस बात का पूरा-पूरा खतरा है कि समाज को बांटने वाले इस ताजे औजार का नए-नए इलाकों में इस्तेमाल किया जाएगा और यह नफरत और उसके जरिये हिंसा फैलाने वालों के शस्त्रागार में एक नए हथियार के रूप में शामिल हो जाएगा।

9/11 के बाद से इस्लामोफोबिया एक वैश्विक प्रवृत्ति बन गया है। अमरीकी मीडिया ने इस्लामिक आतंकवाद जैसे जुमले गढ़ कर इसे हवा दी। यह दिलचस्प और आंखें खोलने वाली बात है कि ऐसा ही कुछ न्यूयार्क में मेयर जोहरान ममदानी के घर के सामने हुआ। पिछले महीने मागा समर्थकों ने ममदानी के दफ्तर के सामने एक सूअर भूना। लेकिन इन घटनाओं के संबंध में सबसे मजेदार बात यह है यह नासमझी और गलतफहमी पर आधारित है। हिंदू और ईसाई जितना जी चाहे उतना सूअर का मांस खा सकते हैं और सूअरों को पालतू पशु के रूप में रख सकते हैं - इससे मुसलमानों को कोई परेशानी नहीं होती है। पिछले कुछ सालों से माहौल ख़राब करने के लिए सूअरों का इस्तेमाल कुछ कम हो गया था। गाय मुख्य मुद्दा बनी हुई थी। सूअर का इस्तेमाल साम्प्रदायिक ताकतों ने आजादी की लड़ाई के दौरान किया। उस समय गाय और सुअर दोनों का इस्तेमाल हिंसा भड़काने के लिए बढ़-चढ़कर किया जाता था। हमें गोविंद निहलानी का सीरियल 'तमस' याद है, जो भीष्म साहनी की पुस्तक पर आधारित था। उसमें एक अछूत नाथू को एक मुस्लिम राजनीतिज्ञ कुछ रकम देता है और उसे एक सूअर मारकर एक मस्जिद में फेंकने का काम सौंपता है। इस फिरकापरस्त नेता को पूरा भरोसा रहता है कि इसके नतीजे में हिंसा होगी और उसका सामाजिक-राजनैतिक कद बढ़ेगा। वर्तमान दौर में ऐसी इक्का-दुक्का घटनाएं होती रहती हैं जिनमें हिंसा भड़काने के लिए मंदिर में गौमांस रख दिया जाता है। इनमें से ज्यादातर मामलों में आखिर में यह पता लगता कि गौमांस रखने वाले बजरंग दल से जुड़े हुए लोग थे। पुलिस ने बजरंग दल के मुरादाबाद जिलाध्यक्ष मोनू विश्वनोई सहित चार लोगों को गौवध कर एक मुस्लिम व्यक्ति को इसका दोषी बताकर झूठे मामले फसांने की कोशिश करने के आरोप में गिरफ्तार किया। उन पर पुलिस के खिलाफ साजिश रचने का भी आरोप लगाया गया। मवेशी ले जा रहे लोगों पर हमले के दोषी गौरक्षकों के गिरफ़्तारी के कई मामले सामने आए हैं। ऐसे गौरक्षक समूहों की एक लंबी श्रृंखला है जो गौवध का विरोध करने के नाम पर पैसा कमा कर मौज उड़ा रहे हैं।

देश में लिंचिंग की शुरुआत गाय के मुद्दे पर हुई। पिछले 10 सालों से 100 से अधिक लिंचिंग हुई हैं। दादरी में पहलू खान से जुड़ी घटना से शुरू होकर लिंचिंग की घटनाएं भयावह स्तर तक पहुंच गई हैं। ये सारे मामले हृदयविदारक हैं। इनमें से जुनैद का मामल खासतौर से बहुत तकलीफदेह है। ''16 साल का जुनैद खान अपने भाई से साथ ट्रेन में जा रहा था। उससे एक बुजुर्ग व्यक्ति को बैठने के लिए सीट देने के लिए कहा गया और उसने तुरंत ऐसा किया। लेकिन इसके बाद करीब 25 लोगों की भीड़ ने उसे घेरकर 'गौभक्षक'' और ''पाकिस्तानी'' के नारे लगाने शुरू कर दिए। और फिर छुरा घोंपकर जुनैद की हत्या कर दी गई। ''

इसका सबका सबसे परेशान करने वाला पहलू यह है कि कैसे साम्प्रदायिक ताकतें नफरत फैलाने की नई-नई तरकीबें खोज निकालती हैं जो बाद में हिंसा का कारण बनती हैं। साम्प्रदायिक राजनीति करने वालों के नफरती भाषणों के बारे में बहुत कुछ लिखा जा चुका है। प्रधानमंत्री से शुरू कर नए-नए नफरती नारे गढ़े जाते हैं और फिर उन्हें हर स्तर पर दुहराया जाता है। मैदानी कार्यकर्ता इन्हें घर-घर तक पहुंचा देते हैं और हिन्दुओं और मुसलमानों का जीवन और दूभर, और कष्टपूर्ण बना देते हैं। उनका पड़ोसियों की तरह रहना बहुत मुश्किल हो जाता है। प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए दो प्रसिद्ध नारे हैं 'हम पांच हमारे पच्चीस और 'उन्हें उनके कपड़ों से पहचाना जा सकता है' । इसी तरह आदित्यनाथ ने नारा दिया था 'बटेंगे तो कटेंगें। अकबरउद्दीन ओवैसी जैसे तत्व भी उतनी ही खतरनाक बातें कर रहे हैं। ओवैसी ने कहा था कि यदि 15 मिनट के लिए भी पुलिस को हटा दिया जाए तो मुसलमान अपनी असली ताकत दिखा देंगे। आदिलाबाद में दिसंबर 2012 में दिए गए एक अत्यंत विवादास्पद भाषण में उन्होंने कहा था कि यदि पुलिस को 15 मिनट के लिए हटा दिया जाए तो उनका समुदाय (यानि 25 करोड़ मुसलमान) 100 करोड़ हिन्दुओं को अपनी ताकत दिखा देंगे''। साम्प्रदायिकता की जंग के मैदान में सूअर की एंट्री का सबसे परेशान करने वाला पहलू यह है कि इससे पता चलता है कि विभाजनकारी शक्तियों में नई-नई तरकीबें ईजाद करने की कितनी अधिक क्षमता है। हमारी गंगा-जमुनी तहजीब में विभिन्न समुदायों के बीच जो निकटता थी वह तेजी से समाप्त हो रही है। सूअर के इस्तेमाल से यह सुनिश्चित करने की कोशिश की जा रही है कि हिन्दू और मुसलमान एक दूसरे से पड़ोस में न रह पाएं। पहले से ही मुसलमानों को अपने मोहल्लों तक सिमटने के लिए मजबूर कर दिया गया है। ऐसे में सोशल इंजीनियरिंग के इस नए अध्याय से हिन्दुओं और मुसलमानों के बीच की खाई और चौड़ी हो जाएगी। इसे तभी रोका जा सकता है जब हम इसे शुरूआती दौर में ही दफन कर दें और हिन्दुओं द्वारा सूअर पालने की प्रवृत्ति को हतोउत्साहित करें। लोगों को अपने पालतू पशु और देवताओं को चुनने की आजादी है लेकिन यह आज़ादी दूसरे समुदाय को अपमानित करने के लिए नहीं है। यहां यह याद दिलाना उचित होगा कि वराह भगवान एक रक्षक की भूमिका निभाने के लिए अवतरित हुए थे। मगर सूअरों को पालतू पशु के रूप में पालने की प्रवृत्ति के विनाशकारी नतीजे होंगे।

(अंग्रेजी से रूपांतरण अमरीश हरदेनिया। लेखक आईआईटी मुंबई में पढ़ाते थे और सेंटर फॉर स्टडी ऑफ़ सोसाइटी एंड सेकुलरिज्म के अध्यक्ष हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

महिला विधेयक बिल के पास ना होने के कई कारण

संजय गोस्वामी

महिला विधेयक बिल नहीं पास हुआ दरअसल महिलाओ से ज्यादा पुरुष परेशान है क्योंकि उसे घर माता पिता और सभी का ख्याल रखना पड़ता है और स्त्री पुरुष में भेदभाव करना सही नहीं ऐ सभी दलों के लोगों ने सोचा होगा आज बंगाल में चुनाव है इसलिए ऐ बिल 2014 से अब क्यों लाया गया।

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम है इसलिए वो पुरुष हैं जो पुरुष होते हैं उनका मन चंचल नहीं होता और में इसलिए राम को पुरुषोत्तम कहा जाता है। इसलिए कि यह एक प्रमुख धार्मिक मान्यता है जो हिंदू धर्म में प्रचलित है। पुरुषोत्तम शब्द संस्कृत भाषा से लिया गया है, जिसमें पुरुष का अर्थ होता है मनुष्य और उत्तम का अर्थ होता है श्रेष्ठ या सर्वोत्कृष्ट। इस शब्द का श्री राम के लिए प्रयोग किया जाता है ताकि इससे उनकी परम गुणवत्ता और पूर्णता का संकेत दिया जा सके।श्री राम का जीवन अपने चिंतन और चरित्र से मनुष्य की संपूर्ण गरिमा को चरितार्थ करता है। मनुष्य किस स्तर तक विकसित हो कि उसमें भागवत चेतन प्रकट हो सके। इस प्रश्न का उत्तर श्रीराम के चरित्र में मिलता हैं। देवर्षि नारद ने वालमीकि से पूछा था कि संसार में गुणवान,तेजस्वी,धर्मज्ञ उपकार मानने वाला, सत्यव्रती, दृढ़ प्रतिज्ञ, सदाचार से युक्त, सबका हितैषी ,प्रियदर्शी,जितेंद्रिय,क्रोध और समस्त आवेगों पर नियंत्रण रखने वाला,कीर्तिमान और अनिंद्य कौन है। ऐसा कौन सा पुरूष है जो दूसरों को जीतने की कामना नहीं रखता और स्वयं अजेय है ? महर्षि वाल्मीकि इस प्रश्न के उत्तर में रामचरित सुनाते हैं। राम के राज्य में रमणीयता ही रमणीयता सर्वत्र नजर आती थी। प्रत्येक कार्य यज्ञ की भावना से सम्पन्न होता था। असत्य, अधर्म, अन्याय, अत्याचार, आतंक आदि आसुरी प्रवृत्तियों के लिए कहीं कोई स्थान नहीं था। पारस्परिक प्रेम,सद्भावना और सहयोग से प्रेरित होकर सभी लोग अपने-अपने कार्य अपनी-अपनी

योग्यता के अनुसार करते रहते थे। प्रत्येक व्यक्ति सार्वजनिक हित की भावना से ही प्रत्येक कार्य को करने लगता था। किसी को किसी के प्रति कोई शिकायत नहीं होती थी और न किसी के मन में किसी के प्रति द्वेष था। सभी लोग राम का नाम लेकर रामराज्य का गुणगान करते हैं और हृदय से चाहते थे कि यह राज्य अनंत काल तक चलता रहे। इसीलिए राम किसी एक युग का या जग का नहीं बल्कि विश्व का है। वे शासक नहीं परिपालक हैं। राम और हिन्दुस्तान का जनमानस दोनों एक दूसरे के पर्यायवाची बन गए हैं। श्रीराम का चरित्र भारतीय संस्कृति के आदर्शवाद का उज्जवल प्रतीक बन गई है। श्री राम के चरित्र को देखकर कोई भी व्यक्ति या समूह अपना चरित सुधार सकता है। राम आदर्श गृहस्थ हैं ,वनवासी हैं ,राजा भी हैं ,नागरिक भी हैं ,स्तरीय समाज का निर्माण ही उनका उद्देश्य है।

श्री राम हिंदू धर्म के एक प्रमुख अवतार माने जाते हैं, जिन्हें पुराणों और एपिक महाकाव्य रामायण में प्रमुखता से वर्णित किया गया है। उन्हें अदार्श पुरुष, धर्मात्मा, न्यायप्रिय, सामरिक कुशल, प्रेमी पति, सदभक्त, धर्म का पालन करने वाले और भक्तों के लिए प्रेरणा स्रोत के रूप में माना जाता है। इसलिए श्री राम को पुरुषोत्तम कहा जाता है।इसलिए जब तक भगवान राम रहेंगे तब तक किसी से भेदभाव नहीं करेंगे, नर और नारी एक समान सब है प्रभु राम की संतान। इसी इस बात से समझ सकते हैं भगवान राम पुरुष के रूप में ही आखिर जन्म क्यों लिए उन्हें अन्त करना था ऐसे रावण को जो अधर्मी था और घमंड और सर्वशक्तिमान समझता था इसलिए भगवान राम को धर्म और मानवता को बचाने के लिए एक लम्बी लड़ाई रावण से लड़नी थी यदि महिला होते परिवार होता तो महिलाओ को 9 महीने तक गर्भ धारण करना पड़ता जो लड़ाई में बाधा क्या लड़ ही नहीं पाते, यह सच है कि यदि आपके देश में अचानक क़ोई युद्ध छेड़ देता है और उस वक़्त महिला सैनिक यदि गर्भवती हो तो युद्ध कैसे करेगी, आजकल इसी समस्या को देखते हुए सरकार ने 2 साल का चाइल्ड केयर लीव मिलता है लेकिन सेना में युद्ध की परिस्थिति में गर्भवती हो तो युद्ध में शामिल नहीं हो सकती है इसलिए नारी में ममता होता है और अपने बच्चे को सही तरीके से पालन पोषण चाहिए इसलिए बिल ना पास के इस मुद्दे को लोकसभा से चुने गए सांसद को महिला विरोधी नहीं कहा जा सकता लोकतान्त्रिक व्यवस्था ही देश की दिशा तय करती है इसपर निराश भी नहीं होने की जरुरत है आप यदि जानकार होंगे विद्वान होंगे तो आपको लोग आज शिक्षा के व्यवसाय में नौकरी से ज्यादा इनकम होगा और जब चाहे आप छुट्टी ले ले और ऑनलाइन क्लास चालू करें लेकिन एक बात का हमेशा ध्यान देना शादी के बाद अपने सास ससुर की सेवा करना इससे अच्छा संस्कार मिलेगा और चुगली शिकायत से बचेगे क्योंकि बूढ़े लोग बेटा पर आश्रित होते हैं जब बेटा की पत्नी ही उसके माँ बाप की क़द्र ना करें तो परिवार टूटेगा और संस्कार नष्ट होगा जो बहुत मुश्किल से मिलता है।

आज का राशिफल

मेष राशिः मेष राशि वालों आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहेगा। इस राशि के छात्रों के करियर में नया बदलाव आयेगा, जो उनके भविष्य के लिए फायदेमंद होगा। सेहत के लिहाज से आपका दिन फीस एंड फाइन रहेगा। आप बेहतर महसूस करेंगे। इस राशि के जो लोग सोशल साइट्स के काम से जुड़े हैं, उनकी जान पहचान किसी ऐसे व्यक्ति से होगी जो उनके लिए सफलता पाने के गुरुमंत्र देगा।

वृष राशिः वृष राशि वालों आज आपके पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे। थोड़ी सी मेहनत करके आप अपने उद्देश्यों को आसानी से प्राप्त कर लेंगे। आर्थिक स्थिति में काफी सुधार हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिहाज से आज का दिन बेहतर है। आप हर काम को धैर्य और समझदारी से पूरा करने की कोशिश करेंगे।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज आपका दिन पहले की अपेक्षा व्यस्त रहने वाला। ऑफिस में काम धीमी गति से पूरे होने की संभावना है। इससे आपकी परेशानी थोड़ी बढ़ सकती है। आज बच्चों के साथ आपका समय अच्छा बीतेगा। आप किसी नए काम पर सोच विचार कर सकते हैं। किसी बात को लेकर बड़े भाई से विचार विमर्श करेंगे।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज आपका दिन खुशनुमा रहेगा। ऑफिस में सभी कलीग्स के साथ तालमेल बेहतर रहेगा। अचानक नए स्रोतों से होने वाला धन लाभ आपकी आर्थिक स्थिति को संतुलित कर देगा। आप शाम को किसी समारोह में शामिल हो सकते हैं। किसी पुराने मित्र से मिलकर आपका मन प्रसन्न होगा।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज किसी काम में आपको अनुभवी व्यक्ति से मदद मिलने की संभावना है। परिवार वालों के साथ शॉपिंग करने का प्लान बनायेंगे। आज पैसों का लेन देन करने से आपको बचना चाहिए। संगीत से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन मिला जुला रहेगा।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आज का दिन आपके सेवा कार्यों में व्यस्त रहने वाले है। समाज कल्याण विभाग से जुड़े लोगों के लिए आज एक विशेष जनजाति के लोगों के बीच सर्वे करने जाना पड़ेगा, जिससे आपको काफी कुछ नया सीखने को मिलेगा। समाज में किसी मुद्दे को लेकर आपको अपनी बात दूसरों के सामने रखने का अवसर मिलेगा, जिससे लोग आपसे प्रभावित होंगे। आपका आर्थिक पक्ष थोड़ा कमजोर हो सकता है।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज आपकी परिस्थितियां आपके अनुकूल रहेगी। सामाजिक क्षेत्र में आपकी सक्रियता बढ़ेगी। किसी काम में आपको सकारात्मक परिणाम हासिल हो सकते हैं। किसी पुराने दोस्त से मिलने का योग बन रहा है। इस राशि के मीडिया के क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन बढ़िया रहेगा। परिवार से जुड़ी अच्छी खबर आपको मिलेगी।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज परिवार वालों के साथ खुशी खुशी समय बितायेंगे। आपका आर्थिक पक्ष मजबूत बनेगा। इस राशि के कॉमर्स स्टूडेंट्स को अपने शिक्षकों का पूरा पूरा सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर भी सामने आएंगे।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए साधारण रहने वाला है। आज आपकी किसी समस्या का समाधान निकल सकता है। आर्थिक स्थिति सामान्य बनी रहेगी। आपको दूसरों से अपनी पर्सनल बातें शेयर करने से बचना चाहिए, साथ ही जल्दबाजी में बड़ा फैसला बिलकुल नही लें। आपको अपनी सोच और व्यवहार को संतुलित रखने की जरूरत है। आपका दाम्पत्य जीवन शांतिपूर्ण बीतेगा।

मकर राशिःमकर राशि वालों आज किसी खास काम में आपको फायदा होगा। भाई बहन के साथ आपके रिश्ते बेहतर होंगे। जीवनसाथी आपकी बातों से प्रभावित होगा। बिजनेस के मामलों में दिन अच्छा रहेगा। सामाजिक कार्यों में सफलता मिलने के योग हैं। दोस्तों से आपको मदद मिलेगी।

कुम्भ राशिः कुम्भ राशि वालों आज का दिन आपके लिए नयी उमंगें लेकर आने वाला है। आज आप अपना लक्ष्य निर्धारित करने के लिए नई योजना बना सकते हैं। घरेलू समस्याओं को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने में आप सफल रहेंगे। इस राशि के जो लोग सरकारी नौकरी में हैं, आज उन्हें अच्छी खबर मिल सकती है।

मीन राशिः मीन राशि वालों आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आज कार्यक्षेत्र से जुड़ी बड़ी चुनौती आपके सामने आयेगी, लेकिन आप उस चुनौती से शीघ्र ही पार पा लेंगे। घर का माहौल अच्छा रहेगा। आपको अचानक धन लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। दूसरे लोग आपके कामकाज से प्रभावित होंगे।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

श्रेयस अय्यर को टी20 टीम में जगह न मिलना भारत का नुकसान होगा : रविचंद्रन अश्विन

एजेंसी, नई दिल्ली

टीम इंडिया के पूर्व ऑलराउंडर रविचंद्रन अश्विन ने चयन समिति को एक स्पष्ट संदेश भेजा है, जिसमें उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर श्रेयस अय्यर को भारत की टी20 टीम में शामिल नहीं किया जाता है तो यह देश का बड़ा नुकसान होगा। अय्यर ने भारत के लिए आखिरी टी20 इंटरनेशनल मैच 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था और उसके बाद से उन्हें इस फॉर्मेट में नजरअंदाज किया जा रहा है। यहां तक कि टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ उन्हें तिलक वर्मा के रिप्लेसमेंट के तौर पर चुना गया था, लेकिन प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिला। आईपीएल में लगातार दमदार प्रदर्शन कर रहे श्रेयस अय्यर की वकालत अश्विन ने एक बार फिर की है, साथ ही उन्हें लीडरशिप रोल के लिए भी उपयुक्त बताया है। अय्यर ने 2024 में केकेआर को चैंपियन बनाया था और पिछले साल पंजाब को फाइनल तक पहुंचाया था, जबकि इस साल भी उनकी टीम अभी तक अजेय है। अश्विन का यह बयान मुंबई इंडियंस के खिलाफ अय्यर की 35 गेंदों में 66 रनों की कहर बरपाती पारी के बाद आया है, जिसमें उन्होंने जसप्रीत बुमराह के खिलाफ जबरदस्त बल्लेबाजी की। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, उन्हें किसी को जवाब क्यों देना चाहिए? अपने अंदर की आग को बाहर निकालकर, श्रेयस ने सबको दिखा दिया है कि बेहतरीन होना कैसा होता है। उन्होंने आगे कहा कि लोग लगातार सवाल उठाते थे कि वह शॉर्ट बॉल नहीं खेल पाते, लेकिन देखिए उन्होंने जसप्रीत बुमराह को कैसे जवाब दिया, एक शॉर्ट बॉल को फ्रंट प्रेस से मिड-विकेट के ऊपर से छक्का मारकर भेज दिया। अश्विन ने बताया कि उस समय वह ऑन एयर थे और यह सच में अविश्वसनीय था। उन्होंने कहा कि अय्यर ने चेन्नई के खिलाफ चेपॉक में अपने पहले ही गेम में ऐसा ही शॉट खेला था, जो उनका यह कहने का तरीका है कि तुम चाहते हो कि मैं साबित करूं कि मैं शॉर्ट बॉल खेल सकता हूं? नहीं, मैं तुम्हें कुछ साबित नहीं करूंगा। इसके बजाय, वह खुद को दिखा रहे हैं कि वह कितना काबिल हो सकते हैं और कितना अच्छा करने के लिए मेहनत कर सकते हैं। अश्विन ने कहा कि उनके जैसे क्रिकेटरों को देखकर उन्हें प्रेरणा मिलती है, क्योंकि उन्होंने पूरी जिंदगी खुद से यही कहा है: किसी को जवाब मत दो; बस आगे बढ़ते रहो। अश्विन ने राष्ट्रीय टी20 टीम में अय्यर की वापसी की अहमियत पर जोर देते हुए कहा कि अगर वह टीम से बाहर रहते हैं और उन्हें लीडरशिप रोल नहीं दिया जाता है, तो नुकसान देश का होगा, खिलाड़ी का नहीं। अश्विन ने कहा कि उनकी रेंज और उनके लीवर्स जबरदस्त हैं; वह शॉट के जरिए गेंद को दूर तक भेजते हैं।

काशवी गौतम : एक साल के भीतर तीनों फॉर्मेट में डेब्यू

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय महिला क्रिकेट टीम इस समय पांच मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज के लिए साउथ अफ्रीका के दौरे पर है, जिसका पहला मुकाबला डरबन में खेला गया। हालांकि भारत यह मैच 6 विकेट से हार गया पर इस महत्वपूर्ण मैच में भारतीय महिला क्रिकेट को एक नया चेहरा मिला, जब युवा तेज गेंदबाज काशवी गौतम को भारतीय टीम की तरफ से डेब्यू कैप प्रदान की गई। यह 22 वर्षीय प्रतिभाशाली तेज गेंदबाज के लिए एक उल्लेखनीय उपलब्धि है, क्योंकि उन्होंने महज एक साल के भीतर भारतीय टीम के लिए क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में पदार्पण कर लिया है। अप्रैल 2025 में उन्हें वनडे कैप मिली थी, और फिर इसी साल मार्च में उन्होंने अपना पहला टेस्ट मैच खेलने का अवसर प्राप्त किया था। अब, साउथ अफ्रीका के खिलाफ इस टी20 मुकाबले में, वह भारतीय जर्सी में टी20 इंटरनेशनल मैच खेलने उतरी हैं, जो उनकी बहुमुखी प्रतिभा और निरंतर प्रदर्शन का प्रमाण है। काशवी गौतम भारतीय महिला क्रिकेट की सबसे होनहार तेज गेंदबाजों में से एक हैं और उन्होंने बहुत कम समय में अपनी पहचान बनाई है। वह तब पहली बार सुर्खियों में आईं, जब 2024 की विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की नीलामी में उन्हें गुजरात जायंट्स ने दो करोड़ रुपये की भारी भरकम राशि में खरीदा था। इस खरीद के साथ ही वह उस समय डब्ल्यूपीएल इतिहास की सबसे महंगी अनकैप्ड खिलाड़ी बन गईं थीं, जिससे उनकी प्रतिभा पर क्रिकेट विशेषज्ञों का भरोसा स्पष्ट हो गया था। काशवी तब और भी अधिक चर्चा में आईं, जब उन्होंने 2020 में एक घरेलू अंडर-19 मैच में एक ही पारी में सभी 10 विकेट चटकाने का अविश्वसनीय कारनामा किया था। इस ऐतिहासिक प्रदर्शन के दौरान उन्होंने हैट्रिक भी ली थी, जिसने उनकी गेंदबाजी क्षमता को उजागर किया। वह अपनी सटीक लाइन लेंथ, नियंत्रित गति और विकेट लेने की क्षमता के लिए जानी जाती हैं। भारतीय महिला क्रिकेट में हमेशा से अच्छे तेज गेंदबाजों की कमी महसूस की जाती रही है, और इस कमी को देखते हुए काशवी गौतम को भविष्य का एक बड़ा सितारा माना जा रहा है। वह चंडीगढ़ के लिए खेलती हैं और उन्होंने अंडर-19 तथा घरेलू सीनियर स्तर पर लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। हालांकि, 2024 के डब्ल्यूपीएल सीजन से पहले उन्हें दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से चोट लग गई थी, जिसके कारण उन्हें टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा था। यह उनके लिए एक बड़ा झटका था, लेकिन उन्होंने मजबूत वापसी की। विमेंस प्रीमियर लीग 2025 सीजन में उन्होंने 11 विकेट चटकाकर अपनी फॉर्म और फिटनेस साबित की। इसी शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें राष्ट्रीय टीम में डेब्यू का मौका मिला, जो उनकी कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प का परिणाम है।

आयुष म्हात्रे को चोट के बाद भी बल्लेबाजी के लिए उतारा जाना गलत : अश्विन

सीएसके प्रबंधन ने युवा बल्लेबाज की फिटनेस को खतरे में डाला

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे को चोट के बाद भी बल्लेबाजी के लिए भेजने पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम प्रबंधन को आड़े हाथों लिया है। अश्विन के अनुसार सीएसके टीम इस प्रकार खिलाड़ियों की फिटनेस से खेल रही है। अश्विन ने ये बात बल्लेबाज आयुष को फिट नहीं होने के बाद भी सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में बल्लेबाज के लिए भेजने को लेकर उठायी। अश्विन के अनुसार आयुष को खड़े रहने में परेशानी हो रही थी फिर भी टीम प्रबंधन ने उन्हें खेलने के लिए भेजा। इस प्रकार किसी खिलाड़ी की फिटने को खतरे में डालना बेहद नुकसानदेह है। चोटिल खिलाड़ी को कोच और कप्तान बाहर बुला सकते थे पर ऐसा नहीं किया गया।

इससे अश्विन बेहद नाराज दिखे। उन्होंने कहा कि हैरानी की बात है कि म्हात्रे भारी नी स्ट्रैप पहनकर बल्लेबाजी करने उतरे थे। पिछले कुछ मैचों में उन्हें कार्यभार प्रबंधन के तहत इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतारा गया था। पावरप्ले के दौरान ही वह विकेटों के बीच दौड़ते समय पर लंगड़ाते दिखे। फिजियो ने मैदान पर आकर उनका इलाज किया, पर उन्हें बल्लेबाजी जारी को कहा गया।

क्लासेन ऑरेन्ज कैप, कंबोज पर्पल कैप की रेस में नंबर एक पर पहुंचे

एजेंसी, चेन्नई

सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ हुए मैच के बाद आईपीएल के इस 19 वें सत्र में सबसे अधिक रन बनाकर ऑरेंज कैप की दौड़ में पहले नंबर पर पहुंच गये हैं, वहीं सबसे अधिक विकेट के मामले में सीएसके के युवा तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज नंबर एक पर पहुंचने के साथ ही पर्पल कैप के दावेदार बन गये हैं। बल्लेबाजी की बात करें तो क्लासेन ने इस मैच में 59 रनों की पारी खेलकर अब तक सत्र में सबसे अधिक रनों के मामले में गुजरात टाइटंस के शुभमन गिल और आरसीबी के विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया है। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम ने पहले बैटिंग करते हुए नौ विकेट पर 194 रन बनाए। क्लासेन के अब 6 मैचों में 283 रन हो गये हैं। वहीं शुभमन ने 4 मैचों में 251 रन बनाए हैं जबकि विराट के नाम 6 मैचों में 247 रन हैं। वहीं आरसीबी के रजत पाटीदार ने 6 मैचों में 230 रन बनाए हैं जबकि सनराइजर्स हैदराबाद के ईशान किशन ने 6 मैचों में 213 रन बनाए हैं। दूसरी ओर गेंदबाजी की बात करें तो सीएसके के गेंदबाज अंशुल कंबोज इस मैच के साथ ही सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गये हैं।

रुतुराज ने सनराइजर्स से हार के लिए मध्यक्रम के बल्लेबाजों को जिम्मेदार बताया

एजेंसी, हैदराबाद

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने आईपीएल में लगातार दूसरी हार पर निराशा जतायी है। सीएसके को सनराइजर्स के खिलाफ हुए मुकाबले में 10 रनों से हार का सामना करना पड़ा है।रुतुराज ने हार के लिए मध्यक्रम के बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन को जिम्मेदार बताया है। इस मैच में 195 रनों के लक्ष्य की पीछा करते हुए सीएसके की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 184 रन ही बना पाई. रुतुराज ने कहा कि हमारी टीम के गेंदबाज अच्छा प्रदर्शन किया पर मध्यक्रम के अच्छी शुरुआत का लाभ नहीं ले पाये। उन्होंने कहा, "जिस प्रकार से सनराइजर्स ने बल्लेबाजी की उससे लगा कि वे पावरप्ले में 220 से 230 रन बना सकते हैं पर वह उससे करीब 30 रन बना पाये। इससे साफ है कि गेंदबाजों ने अपनी जिम्मेदारी ठीक से निभाई। हम उनको उम्मीद से करीब 30 रन कम पर रोकने में सफल रहे। 200 से कम का स्कोर हम हासिल कर सकते थे।" इस मैच में सीएसके की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए संभल नहीं पायी। बीच-बीच में विकेट गिरने से टीम की रन गति पर अंकुश लगा रहा। इस कारण उसे अंतिम ओवरों में जीत के लिए काफी रन बनाने थे। सीएसके की टीम 8 विकेट पर 184 रन ही बन पायी। सीएसके के कप्तान ने कहा कि पारी के बीच में ही रनगति कम होने से मैच हमारे हाथ से निकल गया।

बिजनेस

कैट को अक्षय तृतीया पर 20 हजार करोड़ के व्यापार का अनुमान

- रिकॉर्ड कीमतों के बीच मजबूत मांग और खरीद के तरीके में हो रहा बदलाव

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संकट के बीच सोना-चांदी की कीमतों में अभूतपूर्व बढ़ोतरी के बावजूद कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने रविवार को कहा कि "कभी न घटने वाली समृद्धि" का प्रतीक मानी जाने वाली अक्षय तृतीया के अवसर पर आज देशभर में लगभग 20 हजार करोड़ रुपये के व्यापार होने का अनुमान है। कैट ने कहा कि अकेले दिल्ली में लगभग 6 हज़ार करोड़ रुपये का व्यापार होगा।

चांदनी चौक से सांसद एवं कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने जारी बयान में कहा कि अक्षय तृतीया पारंपरिक रूप से सोना खरीदने के लिए देश के सबसे शुभ अवसरों में से एक रही है। खंडेलवाल ने बताया कि ऐसी मान्यता है इस दिन को किया गया निवेश स्थायी समृद्धि लेकर आता है। उन्होंने कहा, "हालांकि सोना अभी भी खरीद का केंद्र बना हुआ है, लेकिन तेजी से बढ़ती कीमतों के चलते खरीद के स्वरूप में स्पष्ट बदलाव देखने को मिल रहा है।" कैट महामंत्री ने कहा कि इस वर्ष सोने की कीमतें पिछले वर्ष के लगभग 1 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम से बढ़कर लगभग 1.58 लाख रुपये तक पहुँच गई हैं, जबकि चांदी 85 हजार रुपये प्रति किलो से बढ़कर 2.55 लाख रुपये प्रति किलो के ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि कीमतों में इस तीव्र वृद्धि ने उपभोक्ता के व्यवहार में बड़ा बदलाव ला दिया है। हालांकि, ऊंची कीमतों के बावजूद मांग कमजोर नहीं हुई है, बल्कि खरीदारी अब अधिक सोच-समझकर और मूल्य-आधारित हो रही है। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी. सी. भरतिया ने कहा कि देशभर के ज्वैलर्स ने बदलते रुझानों के अनुसार अपनी रणनीतियों में बदलाव किया है। "हल्के वजन के आभूषण, रोज़मर्रा में पहने जाने वाले डिज़ाइन, तथा चांदी और हीरे के उत्पादों पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है। साथ ही मेकिंग चार्ज में छूट और छोटे गोल्ड क्वाइन जैसे आकर्षक ऑफर्स से ग्राहकों को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।"

उन्होंने कहा कि जहां एक ओर कुल व्यापार का मूल्य बढ़ रहा है। वहीं, दूसरी ओर वास्तविक मात्रा में गिरावट एक अलग ही तस्वीर पेश कर रही है। कैट के सहयोगी संगठन ऑल इंडिया ज्वैलर्स एंड गोल्डस्मिथ फेडरेशन (एआईजेजीएफ) के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज अरोड़ा द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, 16 हजार करोड़ रुपये के अनुमानित सोने के व्यापार का अर्थ वर्तमान कीमतों पर लगभग 10 हजार किलो (10 टन) सोने की बिक्री है। उन्होंने कहा कि यदि इसे देशभर के अनुमानित 2 से 4 लाख ज्वैलर्स में बांटा जाए, तो प्रति ज्वैलर्स औसतन केवल 25 से 50 ग्राम सोने की बिक्री होती है, जो मात्रा में स्पष्ट गिरावट को दर्शाता है। पंकज अरोड़ा ने बताया कि इसी प्रकार 4 हजार करोड़ रुपये के चांदी के व्यापार का अर्थ लगभग करीब 157 टन चांदी की बिक्री है, जिससे प्रति ज्वैलर औसतन केवल 400 से 800 ग्राम चांदी की बिक्री होती है। अरोड़ा ने कहा, "ये आंकड़े स्पष्ट रूप से दिखाते हैं कि कीमतों में वृद्धि के कारण व्यापार का मूल्य तो बढ़ रहा है, लेकिन वास्तविक खपत घट रही है। यही वजह है कि इस वर्ष बाजार में हल्के आभूषण और छोटे सिक्कों की मांग अधिक है।" उन्होंने कहा कि कीमतों में उतार-चढ़ाव के कारण ज्वैलर्स के लिए स्टॉक प्रबंधन एक बड़ी चुनौती बन गया है।

रूस के कच्चे तेल पर अमेरिका का यूटर्न, 16 मई तक समुद्र में फंसे कच्चे तेल को खरीदने की दी अनुमति

एजेंसी, नई दिल्ली

अमेरिका ने एक बार फिर अगले एक महीने तक दुनिया के तमाम देशों को समुद्र में फंसे रूस के क्रूड ऑयल तथा दूसरे पेट्रोलियम उत्पादों को खरीदने की अनुमति दे दी है। अमेरिका द्वारा रूस के तेल की खरीदारी की अनुमति देने से कच्चे तेल की कीमत में और गिरावट आने की उम्मीद बन गई है। इससे पहले अमेरिका की ओर से कहा गया था कि दुनिया के देशों को रूस और ईरान से क्रूड ऑयल खरीदने के लिए दी गई अस्थाई छूट को आगे जारी नहीं रखा जाएगा। इस बात की पुष्टि अमेरिका के ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने भी की थी। बेसेंट ने अपने बयान में साफ किया था कि रूस के कच्चे तेल को खरीदने की छूट 11 अप्रैल को ही खत्म हो गई थी, जबकि ईरानी तेल को खरीदने के लिए छूट की तिथि 19 अप्रैल को खत्म हो जाएगी। इस तिथि को अब और आगे नहीं बढ़ाया जाएगा।

हालांकि स्कॉट बेसेंट के इस बयान के बाद देर रात अमेरिका के ट्रेजरी डिपार्मेंट ने अपनी वेबसाइट पर रूस और ईरान के पेट्रोलियम उत्पादों की खरीदारी करने के लिए लाइसेंस जारी करने का ऐलान कर दिया। अमेरिका के इस ताजा रुख के बाद 16 मई तक जहाज पर लदे रूसी तेल को खरीदने की अनुमति होगी। अमेरिका की ओर से कहा गया है कि रूसी कच्चे तेल को खरीदने का यह लाइसेंस वैश्विक स्तर पर एनर्जी प्रोडक्ट्स की कीमत को नियंत्रित करने के अमेरिकी प्रशासन के प्रयासों के तहत जारी किया गया है। इसकी वजह से कीमतों में होन वाली बेतहाशा व्रद्धि को टाला जा सकेगा। आपको बता दें कि रूसी कच्चे तेल की खरीदारी के लिए मिली इस राहत से वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की आपूर्ति में अस्थायी रूप से वृद्धि हो सकती है। रूस का ये कच्चा तेल अंतराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत पर कुछ हद तक लगाम भी लगा सकता है। ईरान की ओर से होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते होने वाली तेल टैंकर्स की आवाजाही ठप कर देने के कारण दुनिया भर में कच्चे तेल और गैस की सप्लाई बाधित हुई, जिसकी वजह से इन उत्पादों की कीमत बढ़ती चली गई। पश्चिम एशिया में जंग शुरू होने के पहले तक होर्मुज स्ट्रेट के रूट से दुनिया भर में होने वाली तेल और गैस की कुल सप्लाई का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा गुज़रता था।

कच्चे तेल की कीमत में जोरदार उतार चढ़ाव, होर्मुज स्ट्रेट पर बने असमंजस से बिगड़ी बात

एजेंसी, नई दिल्ली

होर्मुज स्ट्रेट की नाकाबंदी और उसको पहले की तरह खोलने की बात को लेकर अमेरिका और ईरान की ओर से लगातार चली जा रही परस्पर विरोधी चाल की वजह से कच्चे तेल की कीमत में आज लगातार उतार चढ़ाव होता रहा। शुक्रवार को दावा किया गया था कि होर्मुज स्ट्रेट को पहले की तरह खोल दिया गया है। इसके बाद कच्चे तेल की कीमत में जबरदस्त गिरावट दर्ज की गई थी। कीमत में आई ये गिरावट आज के कारोबार में भी नजर आई, लेकिन दोपहर बाद ईरान ने एक बार फिर होर्मुज स्ट्रेट को बंद करने का दावा किया। इसके बाद कच्चे तेल की कीमत में दोबारा तेजी का रुख बन गया। कल शाम ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में होर्मुज स्ट्रेट को खोलने का ऐलान किया था। इस पोस्ट में बताया गया था कि अमेरिका के साथ अस्थाई सीजफायर जारी रहने तक होर्मुज खुला रहेगा। इस ऐलान के तुरंत बाद क्रूड ऑयल की कीमत में लगभग 11 प्रतिशत तक की गिरावट आ गई थी। आज भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में जब कारोबार की शुरुआत हुई तो ब्रेंट क्रूड 1.02 डॉलर प्रति बैरल की गिरावट के साथ 98.37 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर खुला। थोड़ी देर में ही ब्रेंट क्रूड लुढ़क कर 86.08 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक चला गया। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड ने आज 1.34 डॉलर प्रति बैरल की कमजोरी के साथ 93.95 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। कुछ देर बाद ही डब्ल्यूटीआई क्रूड टूट कर 80.56 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक गिर गया। कच्चे तेल की कीमत में आई गिरावट से दुनिया भर में उत्साह का माहौल बना हुआ था।

अक्षय तृतीया के पहले सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी घटी चमक

एजेंसी, नई दिल्ली

अक्षय तृतीय के पहले घरेलू सर्राफा बाजार में आज गिरावट का रुख नजर आ रहा है। आज सोना 1,270 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,390 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसी तरह चांदी की कीमत में आज 5,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक की कमजोरी दर्ज की गई है। हालांकि अंतरारष्ट्रीय बाजार में आज फिजिकल गोल्ड 0.94 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,833.56 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह चांदी भी आज 79.28 डॉलर प्रति औंस की कीमत पर बिक रहा है। घरेलू सर्राफा बाजार में कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,54,190 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,55,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,41,340 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह चांदी के भाव में आई कमजोरी के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,64,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,54,340 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,54,190 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

शेयर बाजार की उठापटक से बढ़ी निवेशकों की निराशा, 2025-26 में 34 लाख इनवेस्टर्स ने एनएसई से नाता तोड़ा

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार के एक्टिव निवेशकों के लिए साल 2025-26 काफी निराशाजनक रहा। पिछले तीन साल में पहली बार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में निवेशकों की संख्या घट गई है। आमतौर पर हर साल निवेशकों की संख्या में बढ़ोतरी होती थी, लेकिन 2025-26 के दौरान एनएसई के निवेशकों की संख्या में 6.91 प्रतिशत की रिकॉर्ड गिरावट आ गई है। पूरे साल के दौरान एनएसई के एक्टिव निवेशकों की संख्या घट कर 4.58 करोड़ हो गई। इसके पहले साल 2024-25 में एनएसई के एक्टिव निवेशकों की संख्या 4.92 करोड़ थी। इस तरह एक साल की अवधि में एनएसई के लगभग 34 लाख एक्टिव निवेशकों ने शेयर बाजार से किनारा कर लिया। एनएसई द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार एनएसई के एक्टिव निवेशकों की संख्या में जो गिरावट आई है, उसमें लगभग 26 लाख निवेशक तीन बड़ी ब्रोकिंग हाउसेज से जुड़े हुए थे। इनमें सबसे अधिक 9.95 लाख एक्टिव निवेशक मार्केट लीडर कहे जाने वाले जेरोधा ब्रोकिंग के अकाउंट से कम हुए हैं। इसी तरह एंजेल वन के अकाउंट से 8.15 एक्टिव निवेशकों ने अपना मुंह मोड़ लिया। जबकि अपस्टॉक्स के 7.60 लाख एक्टिव निवेशक साल 2025-26 के दौरान शेयर बाजार से बाहर हो गए। इसके अलावा मोतीलाल ओसवाल, शेयरखान, एचडीएफसी सिक्योरिटीज और कोटक सिक्योरिटीज जैसे बड़े ब्रोकिंग हाउसेज ने भी लाखों की संख्या में एक्टिव निवेशकों को गंवा दिया है।

भूत बंगला के डर से सहमी डकैत
7वें दिन किया अब तक का सबसे कम कलेक्शन

आ आदिवी शेष, मृणाल ठाकुर और अनुराग कश्यप स्टारर रोमांटिक एक्शन थ्रिलर फिल्म डकैतः ए लव स्टोरी इस 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. इस फिल्म से उम्मीदें तो बहुत थीं लेकिन रणवीर सिंह की 'धुरंधर 2 के आगे दर्शकों ने इसे भाव नहीं दिया. हालांकि ओपनिंग वीकेंड तक डकैत ने ठीक-ठाक कमाई की लेकिन वीकडेज में इसका पूरा खेल बिगड़ गया और चंद करोड़ कमाने में ही इसकी हालत पतली हो गई. जानते हैं रिलीज के 7वें दिन यानी गुरुवार को इस फिल्म ने कितनी कमाई की है? डकैत को सिनेमाघरों में रिलीज हुए एक हफ्ता पूरा हो गया है लेकिन इस फिल्म की परफॉर्मेंस काफी निराशाजनक है. हालांकि डकैत का रिलीज से पहले अच्छा बज था बावजूद इसके ये दर्शकों को सिनेमाघरों तक नहीं खींच पाई. खासतौर पर वीकडेज में इसकी कमाई में भारी गिरावट दर्ज की गई. ऐसे में अब आदिवी शेष और मृणाल की ये फिल्म अब फ्लॉप होती नजर आ रही है. वहीं फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो डकैत ने 6.55 करोड़ से ओपनिंग की थी. इसके बाद दूसरे दिन इसने 6.85 करोड़ कमाए. तीसरे दिन का का कलेक्शन 6.40 करोड़ और चौथे दिन की कमाई 2.70 करोड़ रही. इसके बाद 5वें दिन फिल्म ने 3 करोड़ जोड़े और 6 छठे दिन 1.55 करोड़ का कलेक्शन किया. अब सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक डकैत ने रिलीज के 7वें दिन यानी पहले गुरुवार को 1.08 करोड़ की कमाई की है. इसी के साथ डकैत की 7 दिनों की कुल कमाई अब 28.13 करोड़ रुपये हो गई है. डकैत रिलीज के एक हफ्ते में 30 करोड़ का भी कलेक्शन नहीं कर पाई है. वहीं इस फिल्म की लागत 70 करोड़ रुपये बताई जा रही है. शॉकिंग बात ये है कि फिल्म एक हफ्ते बाद भी अपना आधा बजट वसूल नहीं कर पाई है. वहीं अब शुक्रवार को सिनेमाघरों में अक्षय कुमार की भूत बंगला के आने से कंप्टीशन और बढ़ गया है. वैसे ही 'धुरंधर 2 ने डकैत को कमाई करने का मौका नहीं दिया अब भूत बंगला के आने से तो आदिवी शेष और मृणाल की फिल्म का पैकअप ही होता हुआ नजर आ रहा है. डकैत को हिंदी और तेलुगु में एक साथ फिल्माया गया था और इसका निर्देशन शेनिल देव ने किया है और शेष ने को-राइटिंग की है. इस फिल्म का निर्माण सुप्रिया यारलागड्डा ने अन्नपूर्णा स्टूडियोज के बैनर तले किया है. बता दें कि फिल्म में प्रकाश राज, सुनील, ज़ैन मैरी खान और अतुल कुलकर्णी भी अहम भूमिका में हैं. इस फिल्म की कहानी एक कैदी के इर्द-गिर्द घूमती है जो अपनी एक्स गर्लफ्रेंड से बदला लेने के लिए जेल से भाग जाता है. वह अपने प्रतिशोध को पूरा करने के लिए सिलसिलेवार डकैतियों को अंजाम देता है, लेकिन जब उसकी मुलाकात फिर से अपनी एक्स गर्लफ्रेंड से होती है तो हालात बदल जाते हैं.

कई ट्रायल के बाद फाइनल हुआ लैला का लुक, गली सीरीज के लिए हंसिका मोटवानी ने की कड़ी मेहनत

फिल्म और वेब सीरीज की दुनिया में किसी किरदार को यादगार बनाने के लिए सिर्फ अच्छी एक्टिंग ही काफी नहीं होती, बल्कि उस किरदार का लुक, पहनावा और पूरा व्यक्तित्व भी उतना ही मायने रखता है। दर्शक तभी उस किरदार से जुड़ पाते हैं। इन्हीं सबको ध्यान में रखते हुए अभिनेत्री हंसिका मोटवानी ने भी अपनी आने वाली सीरीज गली की तैयारी की है। उन्होंने अपने किरदार के लिए किए गए ट्रांसफॉर्मेशन को लेकर खुलकर बात की। हंसिका मोटवानी जल्द ही प्राइम वीडियो पर रिलीज होने वाली इस सीरीज में लैला नाम का किरदार निभाती नजर आएंगी। इस किरदार को खास बनाने के लिए हंसिका ने काफी मेहनत की। उन्होंने कहा, लैला का लुक तैयार करने में काफी मेहनत लगी। यह एक बार में तय नहीं हुआ, बल्कि इसके लिए कई बार ट्रायल किए गए। इस किरदार में कई अलग-अलग पहलू हैं, इसलिए उसका लुक भी उसी हिसाब से तैयार करना जरूरी था। लगभग 3 से 4 बार अलग-अलग टेस्ट करने के बाद फाइनल लुक तय किया गया।

हंसिका ने कहा, लैला का स्वभाव और उसकी पर्सनैलिटी उसके लुक को तय करने में सबसे अहम भूमिका निभाते हैं। इस किरदार में एक खास नजाकत और तहजीब है, जिसे उसके कपड़ों और स्टाइल के जरिए दिखाना जरूरी था, इसलिए उसके पहनावे को काफी सोच-समझकर डिजाइन किया गया, ताकि वह किरदार के हर पहलू को सही तरीके से दर्शा सके। मेरा मानना है कि किसी भी किरदार की पहचान सिर्फ उसके डायलॉग से नहीं, बल्कि उसके पूरे लुक से बनती है।

उन्होंने आगे कहा, इस पूरे प्रोसेस में टीमवर्क बहुत जरूरी था। मैंने और सीरीज के डायरेक्टर ने मिलकर इस लुक पर काम किया। दोनों के पास अपने-अपने विचार थे। मैंने भी अपने सुझाव दिए और डायरेक्टर ने भी अपनी सोच साझा की, जिन्हें मिलाकर एक ऐसा लुक तैयार किया गया, जो किरदार के साथ पूरी तरह फिट बैठता है।

हंसिका मोटवानी ने कहा, जब कोई कलाकार अपने किरदार को अंदर से समझ लेता है, तब उसका बाहरी रूप भी अपने आप सही दिशा में ढलने लगता है। यही वजह है कि मैंने लैला के किरदार को सिर्फ निभाने की कोशिश नहीं की, बल्कि उसे महसूस करने पर भी ध्यान दिया।

क्या भारतीयों के लिए भी सही है कीटो डाइट? जानिए पूरा सच

कीटो डाइट एक ऐसी खाने की योजना है, जिसमें शरीर को कार्बोहाइड्रेट्स की बजाय चर्बी को ऊर्जा के रूप में इस्तेमाल करने के लिए मजबूर किया जाता है। यह डाइट वजन घटाने के लिए काफी लोकप्रिय है, लेकिन क्या यह भारतीयों के लिए भी सही है? इस लेख में हम कीटो डाइट के फायदों और नुकसान पर चर्चा करेंगे, जिससे आप समझ सकें कि क्या यह आपके लिए उपयुक्त है या नहीं।

क्या है कीटो डाइट?

कीटो डाइट मुख्य रूप से अधिक चर्बी, सामान्य प्रोटीन और कम कार्बोहाइड्रेट पर आधारित होती है। इसका मुख्य उद्देश्य शरीर को एक ऐसी स्थिति में लाना है, जहां वह चर्बी को ग्लूकोज के बजाय ऊर्जा के रूप में उपयोग करता है। इस डाइट में मांस, अंडे, पत्तेदार सब्जियां, नट्स और बीज शामिल होते हैं। हालांकि, इसमें चावल, रोटी और अन्य सामान्य भारतीय खाद्य पदार्थों की मात्रा बहुत कम होती है।

वजन घटाने में मददगार?

कीटो डाइट वजन घटाने के लिए काफी असरदार मानी जाती है। जब शरीर ग्लूकोज की बजाय चर्बी को ऊर्जा के रूप में इस्तेमाल करता है तो वजन तेजी से घट सकता है। कई लोग इस डाइट को अपनाकर कुछ ही हफ्तों में अच्छे परिणाम देखते हैं। हालांकि, यह जरूरी नहीं कि हर किसी के लिए यह डाइट उतनी ही असरदार हो। कुछ लोगों को शुरूआत में ही सिरदर्द या कमजोरी महसूस हो सकती है।

स्वास्थ्य पर प्रभाव

कीटो डाइट के कई सेहत से जुड़े फायदे भी हो सकते हैं, जैसे कि रक्त शर्करा स्तर में सुधार और दिल की बीमारी का खतरा कम होना। इसके अलावा यह डाइट शरीर की ऊर्जा को बढ़ाने में भी मदद कर सकती है। हालांकि, लंबे समय तक इस डाइट पर रहना मुश्किल हो सकता है और इससे जरूरी पोषक तत्वों की कमी भी हो सकती है। इसलिए इसे संतुलित तरीके से अपनाना चाहिए और डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है।

क्या सभी के लिए उपयुक्त है यह डाइट?

हर व्यक्ति की शारीरिक बनावट अलग होती है, इसलिए जो डाइट एक व्यक्ति के लिए सही हो, वह दूसरे के लिए उपयुक्त नहीं हो सकती। भारतीय खान-पान में कार्बोहाइड्रेट्स की मात्रा अधिक होती है, ऐसे में अचानक कीटो डाइट अपनाना मुश्किल हो सकता है। इसके अलावा कुछ लोगों को पहले से ही किसी प्रकार की सेहत की समस्या हो सकती है, जिनके लिए यह डाइट सही नहीं हो सकती। इसलिए व्यक्तिगत जरूरतों को ध्यान में रखते हुए ही कोई निर्णय लें।

क्या हैं इसके नुकसान?

कीटो डाइट के कुछ नुकसान भी हो सकते हैं, जैसे कि कीटो फ्लू जिसमें सिरदर्द, उल्टी, थकान आदि शामिल होते हैं। इसके अलावा लंबे समय तक इस डाइट पर रहने से जरूरी पोषक तत्वों की कमी हो सकती है, जिससे सेहत पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए अगर आप कीटो डाइट अपनाना चाहते हैं तो पहले अपने डॉक्टर या पोषण विशेषज्ञ से सलाह लें और संतुलित तरीके से इसे अपनाएं।

अब मैं सुबह उठकर किसे गले लगाऊं : जनाई भोसले

इंस्टाग्राम पर भारतीय स्वर साम्राज्ञी आशा भोसले की पोती जनाई भोसले ने अपनी दादी के साथ बिताए अनमोल पलों को याद करते हुए एक हृदयस्पर्शी वीडियो साझा किया है। जनाई ने अपने पोस्ट की शुरुआत गहरे दुख के साथ की, जिसमें उन्होंने लिखा, आज सुबह जब मैं उठी, तो मुझे एहसास हुआ कि मैंने अपने शरारतों के साथी, अपने सबसे अच्छे दोस्त, उस इंसान को खो दिया है, जिसने मेरी दुनिया को पूरा किया, जिसने मुझे जन्म के समय सबसे पहले अपनी गोद में लिया था।

ये पंक्तियाँ उनके और आशा भोसले के बीच के गहरे और अद्वितीय बंधन को दर्शाती हैं, जो सिर्फ दादी-पोती के रिश्ते से कहीं बढ़कर था। जनाई ने अपने जीवन के इस खालीपन को व्यक्त करते हुए आगे लिखा, अब मैं क्या करूं? अब मैं सुबह उठकर किसे गले लगाऊं और किसके साथ चाय पीयूं? जब मैं घर आऊंगी तो मेरा इंतजार कौन करेगा? और मैं मजाक किसके साथ करूंगी? मेरी पूरी दुनिया चली गई। उनकी ये बातें उनके दैनिक जीवन के उन छोटे-छोटे पलों को याद करती हैं, जो अब सिर्फ यादों का हिस्सा बन चुके हैं और उनके जीवन में एक बड़ा

शून्य छोड़ गए हैं। जनाई ने अपनी दादी को याद करते हुए उन सभी लोगों से भी बात की जो उनके इस दुख में शामिल थे। उन्होंने कहा, ये तो बस कुछ बातें हैं जो मुझे उनकी याद दिलाती हैं, लेकिन जो लोग मेरे साथ इस दुख को महसूस कर रहे हैं, उनसे मैं यही कहना चाहती हूं कि अगर कोई उन्हें याद करे, तो उसी खुशी और जिंदादिली के साथ करे, जिससे वह हमेशा जानी जाती थीं। उन्होंने हर किसी के जीवन में हंसी और खुशी भरने का काम किया था। यह उनकी दादी के जीवंत और सकारात्मक व्यक्तित्व का सम्मान था, जो हमेशा दूसरों के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए जानी जाती थीं। जनाई ने अपने विश्वास को साझा करते हुए लिखा, मुझे लगता है कि वह हम सबको ऊपर से देख रही हैं, खासकर अपने परिवार पर नजर रख रही हैं। मुझे यकीन है कि वह बहुत जल्द मेरे पास वापस आएंगी, क्योंकि उन्होंने मुझसे यही वादा किया था और हमेशा यही कहती थीं। यह आशा और विश्वास उनके गहरे प्रेम को दर्शाता है कि उनकी दादी की आत्मा हमेशा उनके साथ रहेगी। उन्होंने अपने जीवन के सबसे बड़े नुकसान को स्वीकारते हुए लिखा, मैंने अपने जीवन का सबसे बड़ा प्यार खो दिया है और इससे बड़ा दुख दुनिया में कोई नहीं होता, इसलिए मैं आप सबसे कहना चाहती हूं कि जिंदगी को पूरी तरह जीएं और उन्हें इसी तरह याद करें। यह उनकी ओर से एक प्रेरणादायक संदेश था कि हमें जीवन के हर पल को संजोना चाहिए, खासकर अपने प्रियजनों के साथ।

पैसे निवेश करते समय न करें ये 5 सामान्य गलतियां, होगा फायदा

पैसे निवेश करने का मतलब है कि आप अपने पैसे को ऐसे तरीकों से लगाएं, जिससे वह बढ़ सकें। सही निवेश से आप अपने वित्तीय लक्ष्यों को हासिल कर सकते हैं। हालांकि, कई लोग बिना योजना के पैसे निवेश करते हैं और इससे उन्हें नुकसान होता है। इस लेख में हम आपको कुछ सामान्य गलतियों के बारे में बताएंगे, जिनसे आपको बचना चाहिए। इनका ध्यान रखने पर आपका निवेश सुरक्षित और लाभकारी हो सकेगा।

जरूरत से ज्यादा जोखिम लेना

कई लोग ज्यादा लाभ की चाह में जरूरत से ज्यादा जोखिम ले लेते हैं। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं कि आपको कोई जोखिम नहीं लेना चाहिए। आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के अनुसार निवेश करना चाहिए। अधिक जोखिम लेने से आपकी पूंजी खोने का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए, हमेशा संतुलित दृष्टिकोण अपनाएं और अपने निवेश को अलग-अलग जगह लगाएं, ताकि जोखिम कम हो और लाभ की संभावना बनी रहे।

बिना योजना के निवेश करना

बिना योजना के निवेश करने का मतलब है कि आप बिना सोचे-समझे पैसे लगाते हैं। ऐसा करने से हो सकता है कि आपका पैसा गलत जगह पर चला जाए या फिर आपको कम लाभ मिले। इसलिए, हमेशा एक स्पष्ट योजना बनाएं और अपने वित्तीय लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए निवेश करें। योजना बनाने से न केवल आपका पैसा सुरक्षित रहता है, बल्कि आपको बेहतर लाभ भी मिलते हैं। इसके अलावा आप जोखिमों को भी अच्छी तरह समझ पाते हैं।

सभी पैसे एक ही जगह लगाना

सभी पैसे एक ही जगह लगाने से आपका पूरा निवेश खतरे में पड़ सकता है, खासकर अगर वह जगह अस्थिर हो या नुकसान में हो। इसलिए, हमेशा अपने निवेश को विभिन्न क्षेत्रों में फैलाएं, ताकि किसी एक क्षेत्र में होने वाले नुकसान से आपका पूरा निवेश प्रभावित न हो। उदाहरण के लिए आप शेयर बाजार, जमीन-जायदाद और सोने आदि में निवेश कर सकते हैं। इससे आपके जोखिम कम होंगे और आपको बेहतर लाभ मिलेगा।

जल्दी मुनाफा निकालना

जल्दी मुनाफा निकालने की चाहत में लोग अक्सर अपने निवेश को जल्द बेच देते हैं। इससे उन्हें उतना लाभ नहीं मिल पाता जितना कि उन्हें लंबे समय तक रखने पर मिलता। इसलिए, अपने निवेश को समय दें और धैर्य रखें। लंबी अवधि के लिए निवेश करने पर आपको बेहतर लाभ मिलता है। इसके साथ ही बाजार के उतार-चढ़ाव से प्रभावित होने की संभावना भी कम होती है। इसलिए, हमेशा सोच-समझकर और धैर्यपूर्वक निवेश करें।

जानकारी के बिना निवेश करना

कई लोग किसी की सलाह पर या सुनी-सुनाई बातें सुनकर बिना पूरी जानकारी लिए ही निवेश कर देते हैं, जिससे उन्हें बाद में नुकसान उठाना पड़ता है। इसीलिए, किसी भी तरह के निवेश से पहले उसकी पूरी जानकारी जरूर लें। इसके अलावा संबंधित क्षेत्र के बारे में गहन शोध करें और विशेषज्ञों की सलाह लें, ताकि आपका निवेश सुरक्षित और लाभकारी हो सके। सही जानकारी और शोध के साथ किया गया निवेश हमेशा सुरक्षित रहता है।

है जवानी तो इश्क होना है की मौलिकता पर उठ रहे सवाल

बॉलीवुड की अपकमिंग फिल्म है जवानी तो इश्क होना है का पहला लुक रिलीज हो गया है, जिसने दर्शकों के बीच खासी चर्चा बटोरी है। फिल्म में वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े तीनों के बीच बेहतरीन केमिस्ट्री दिखाई गई है, जो फिल्म का एक मजबूत पक्ष हो सकती है, लेकिन फिल्म को लेकर सारा सस्पेंस पहले लुक में ही खुलकर सामने आ चुका है, जिससे इसकी मौलिकता पर सवाल उठ रहे हैं। लोगों का कहना है कि यह एक पुराने गिफ्ट को नई पैकिंग के साथ सिनेमाघरों में उतारा जा रहा है। है जवानी तो इश्क होना है में वरुण धवन एक साथ दो-दो पत्नियों के साथ दोहरी जिंदगी जीते हुए नजर आने वाले हैं। फिल्म में मृणाल ठाकुर उनकी पहली पत्नी की भूमिका में हैं, जबकि पूजा हेगड़े उनकी दूसरी पत्नी का किरदार निभा रही हैं। इस प्लॉट को देखकर तुरंत बॉलीवुड के हीरो नंबर 1 गोविंदा की क्लासिक कॉमेडी फिल्मों सैंडविच और साजन चले ससुराल की यादें ताजा हो जाती हैं। कुल मिलाकर, यह कहना गलत नहीं होगा कि दर्शकों को सलमान खान के गाने के टाइटल और गोविंदा की फिल्मों की स्क्रिप्ट का एक मिक्स कॉकटेल देखने को मिल सकता है। गोविंदा की फिल्म सैंडविच सभी को याद होगी, जिसमें वह महिमा चौधरी और रवीना टंडन दोनों से शादी कर लेते हैं और दोनों के दो बच्चों (टोनी और टुकटुक) को जन्म देती हैं, जिनकी शक्लें एक जैसी होती हैं क्योंकि दोनों के पिता गोविंदा ही हैं। है जवानी तो इश्क होना है के पहले लुक में भी इसी तरह की थीम देखने को मिल रही है, जहां 2 एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) से जेनरेट किए गए बच्चे दिखाए गए हैं। ये बच्चे पहले अपनी मम्मी का नाम बताते हैं और फिर अपने पापा का। जब दोनों के पापा का नाम सेम निकलता है, तो वे मासूमियत से सवाल करते हैं, कहीं हमारे पिता एक ही तो नहीं? यह सीन फिल्म की केंद्रीय कहानी को सीधे तौर पर उजागर करता है। पहले लुक से यह साफ है कि वरुण धवन की अपकमिंग फिल्म सैंडविच और साजन चले ससुराल जैसी गोविंदा की सुपरहिट फिल्मों से काफी प्रेरित है। यह संयोग की बात नहीं है कि साजन चले ससुराल का निर्देशन वरुण धवन के पिता, डेविड धवन ने किया था, और इस नई फिल्म का निर्देशन भी वही कर रहे हैं। डेविड धवन अपनी कॉमेडी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, जिनमें हंसी की कमी नहीं होती। उनकी फिल्में दर्शकों को खुलकर हंसने पर मजबूर कर देती हैं और बॉक्स ऑफिस पर अक्सर सफल रहती हैं। ऐसे में दर्शकों और फिल्म समीक्षकों के मन में यह सवाल उठ रहा है कि क्या वरुण धवन की यह फिल्म पर्दे पर वहीं कमाल कर पाएगी, जो गोविंदा की फिल्में करती थीं? क्या वरुण धवन गोविंदा के कॉमेडी स्टाइल और टाइमिंग को सफलतापूर्वक दोहरा पाएंगे? फिल्म में मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े का ग्लैमर और अभिनय दर्शकों को कितना प्रभावित करता है, यह देखना दिलचस्प होगा।

नॉवेल, म्यूजिक और पॉडकास्ट से मिला सुकूनः रसिका दुग्गल

बॉलीवुड अभिनेत्री रसिका दुग्गल ने हाल ही में अपने प्रेरणादायक अनुभवों को प्रशंसकों के साथ साझा किया। इंस्टाग्राम पर अपनी एक मनमोहक तस्वीर साझा करते हुए, जिसमें वह अपने बालों के साथ खेलती नजर आ रही हैं, रसिका दुग्गल ने एक विस्तृत कैप्शन लिखा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वह हमेशा ऐसी चीजों की तलाश में रहती हैं जो उनके मन के भावों को सकारात्मक रूप से बदल सकें और उन्हें आंतरिक शक्ति प्रदान करें। रसिका ने अपने पोस्ट में लिखा, इंस्पिरेशन की तलाश में हमेशा कुछ ऐसा ढूंढती रहती हूं जो मेरे एहसासों को थोड़ा बदल दे, मेरे मन की बात कह दें पिछले कुछ महीनों में कुछ चीजें मेरे लिए खास प्रेरणा का स्रोत रही हैं। इस दौरान, रसिका ने विशेष रूप से विश्व प्रसिद्ध फिगर स्केटर एलिसा लियू का उल्लेख किया, जिनकी शानदार वापसी ने उन्हें सबसे ज्यादा प्रभावित किया। उन्होंने लिखा, एलिसा की वापसी प्रेरणादायक रही। यह एक ऐसी वापसी की कहानी है, जिसमें अपार मेहनत, अटूट आत्मविश्वास और अपने स्वयं के रास्ते पर चलने की ताकत स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। उनकी उपलब्धियां अविश्वसनीय रूप से शानदार रही हैं, जिसमें ओलंपिक और वर्ल्ड चैंपियनशिप जैसे प्रतिष्ठित बड़े मंचों पर उनकी विजय भी शामिल है। साहित्य से भी रसिका को गहरी प्रेरणा मिली। उन्होंने प्रख्यात लेखिका किरण देसाई के एक नॉवेल का जिक्र किया, जिसके किरदार सोनिया और सनी की अकेलेपन भरी कहानी ने उनके दिल को गहराई तक छू लिया। 90 के दशक में भारत में पले-बढ़े लोगों के लिए यह कहानी बेहद मार्मिक और करीब महसूस होती है। रसिका ने बताया कि वह इस किताब में इतनी लीन हो गईं कि आज भी इसके बारे में सोचती रहती हैं और कभी-कभी सपनों में भी इसकी झलक देखती हैं। संगीत के प्रति अपने बदलते रुझान पर बात करते हुए रसिका ने आगे लिखा, एलिसा लियू की परफॉर्मेंस को बार-बार देखने के बाद, मेरा झुकाव डिस्को म्यूजिक की ओर भी

बढ़ गया। मैकआर्थर पार्क सुइट अब मेरे पसंदीदा गानों में शुमार हो गया है और मैं इसे लगातार सुनती हूं। इससे पहले, मैं छा रही काली घटना जैसे अधिक गंभीर गाने सुनती थीं, लेकिन अब मेरी संगीत पसंद में महत्वपूर्ण बदलाव आया है और मैं अपनी सुबह की सैर के दौरान भी डिस्को गानों का भरपूर आनंद लेती हूं। अधिक गहन चिंतन के लिए, रसिका का लंबे समय से पसंदीदा पॉडकास्ट द सीन एंड द अनसीन रहा है। उन्होंने विशेष रूप से इसके ए प्राइमर ऑन चाइना एपिसोड का उल्लेख किया, जिसमें अमित वर्मा और मनोज केवलरमानी हैं। रसिका ने बताया कि उन्होंने इस एपिसोड को कई बार 15 सेकंड पीछे करके सुना, क्योंकि इसमें बहुत कुछ समझाया गया है। उन्होंने कहा, चीन का ऐसा दिलचस्प इतिहास, जो आपको शायद सामान्य किताबों में न मिले। अभी तक मैं इस 4 घंटे लंबे एपिसोड को पूरा नहीं कर पाई हूं लेकिन हां, अब बस आखिरी 36 मिनट बाकी हैं। पोस्ट के अंत में, रसिका ने अपने प्रशंसकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा, अगर आपने मेरा पूरा पोस्ट पढ़ा है तो मैं आपकी आभारी हूं। अगर मेरी बताई गई चीजों में से कुछ भी किसी को पसंद आया हो, तो यह मेरे लिए खुशी की बात है, और अगर किसी को इनमें से कई चीजें पसंद आईं, तो वह मुझसे जुड़ने के लिए भी तैयार हैं।

INDIA bloc guilty of foeticide for defeating women quota Bill: PM

New Delhi, Agency: A day after the Bill to advance women's reservation to the 2029 poll cycle by enhancing the strength of the Lok Sabha failed in the Lower House, Prime Minister Narendra Modi launched an attack on the Opposition accusing it of committing "foeticide" by defeating "an honest attempt to secure women's political rights in India after nearly three decades".

The PM, in an address to the nation, singled out the Congress for a no-holds-barred assault and said the party had again demonstrated its "anti-reform mindset" by opposing Nari Shakti Vandan Adhiniyam amendments.

Modi said the amendments were not meant to take anything away from anyone, but the Congress and allies "constantly lied about delimitation to again deploy illogical technicalities and stall a decades-old aspiration of India's women".

"Women will not forgive the Opposition for this sin," he said. The PM added, "The Congress, DMK, TMC and Samajwadi Party are guilty of foeticide of an honest attempt...they will pay the price for this."

In the attack, which Congress veteran Jairam Ramesh called "pathetic, partisan and polemical", the PM promised to fulfil women's reservation agenda in a "matter of time".

"We may not have garnered 66 per cent votes required to pass the Bill yesterday, but I know 100 per cent blessings of India's women are with us....We will remove all hurdles from the path of women's reservation, our resolve is firm," he said, signalling the ruling BJP's plans to weave a national narrative around the issue ahead of elections in crucial states like Uttar Pradesh and Punjab in 2027 and the Lok Sabha in 2029. The PM began his address by apologising to women for his government's inability to get the Bill passed, and went on to question the Congress and allies' jubilation after the agenda fell in the Lok Sabha yesterday. "After snatching women's rights, the Congress and its friends were thumping desks. This was an assault on the dignity and self-respect of women who forget everything but never forget their insult," Modi said, adding that when leaders of these parties hit the field, women will remember their faces and punish them.

10th Indian ship crosses Strait amid firing by Iranian gunboats

New Delhi, Agency: Amid firing by Iranian gunboats that caused two Indian-flagged tankers to turn back from Strait of Hormuz on Saturday, the tenth Indian-flagged vessel crossed the strait. Desh Garima, carrying crude oil, was on its way to Mumbai port. Iran had been sporadically allowing Indian vessels to sail through since it decided to block the key energy strait last month in the middle of its war with the US and Israel which began on Feb 28.

Vessel details available on Maritime Traffic show that several Indian- and foreignflagged ships destined for Indian ports are still waiting to cross the Hormuz. Official data shows 13 Indian vessels are in Persian Gulf (to west of Hormuz), six in Gulf of Oman (east of Hormuz), one in Gulf of Aden and three in Red Sea.

According to petroleum ministry, 17 vessels have been identified for evacuation, which include four LPG carriers, three LNG carriers and 10 crude oil tankers. While three of these are Indianflagged vessels, the remaining 14 are foreign-flagged ships. Similarly, chemicals and fertilisers ministry has drawn up a list of another 16 ships for evacuation, including one Indian-flagged vessel (Jag Arnav), which was attacked by IRGC on Saturday. Officials said that as of Saturday, there are 499 Indian seafarers aboard Indianflagged vessels in Persian Gulf region - 343 to the west of Strait of Hormuz and 156 in Gulf of Oman. So far, 2,487 seafarers have been evacuated by various shipping companies.

Daily use medical devices to see stricter checks

New Delhi, Agency: Medical devices used every day-from syringes and surgical sutures to implants-may soon face tighter regulation, with Centre proposing stricter labelling rules and a standardised testing fee system aimed at improving safety and accountability. Under a draft amendment to Medical Devices Rules, 2017, manufacturers may be required to clearly disclose on product labels where devices are sterilised, including licence number of the facility.

The move is intended to improve traceability so that authorities can quickly identify the source in case of infection or device failure. Govt has also proposed fixing testing charges across categories. As per the draft, implantation tests could cost Rs 5,000, sterility tests, Rs 2,000 and surgical sutures, Rs 3,000. These charges will rise by 5% annually, while fees for tests not listed will be decided by authorised laboratories. Officials say the changes are aimed at bringing uniformity in testing and strengthening oversight in the fastgrowing medical devices sector, where regulation has often been flagged as uneven.

The industry, however, has raised concerns over feasibility and cost implications. Rajiv Nath, forum coordinator, Association of Indian Medical Device Industry, said that while the proposals are a step towards strengthening quality systems, they may need to be fine-tuned for smooth implementation. "The testing fees may not fully reflect actual lab costs, and if fixed without consulting NABL-accredited labs, it could make testing difficult to sustain, leading to delays.

This may increase compliance costs and put some pressure on supply and prices, especially for high-volume items like syringes and consumables," he said. "A riskbased approach, with stricter checks for high-risk devices, would be more effective. The sterilisation labelling requirement also needs review as it may delay exports by 3-4 weeks...," the forum coordinator added.

Opposition plans fresh notice to remove CEC Gyanesh

New Delhi, Agency: Undeterred by the rejection of earlier notices, the Opposition is planning a fresh move to seek the removal of Chief Election Commissioner Gyanesh Kumar, sources said on Saturday. Leaders from several opposition parties are in talks, and at least five senior MPs from different parties, including the Congress, TMC, Samajwadi Party and the DMK, are working on drafting a new notice to initiate removal proceedings, the sources have said.

It has, however, not yet been decided which House the notice will be moved in, or whether it will be introduced in both Houses as done last time, the sources added.

Buoyed by the defeat of The Constitution (131st Amendment) Bill, 2026, in the Lok Sabha on Friday, opposition leaders are aiming to secure more MPs' signatures on the notice and are looking at garnering at least 200, the source said.

"We want to make a statement. We first need to prove that the number last time was underestimated," a source added. In its earlier notices, the Opposition had accused CEC Kumar of "failing to maintain independence and constitutional fidelity" and acting under the "thumb of the executive". The notices levelled sweeping charges against the CEC, alleging "proved misbehaviour" on grounds including a compromised and executive-influenced appointment, partisan functioning - such as the alleged "graded response" doctrine targeting opposition leaders - obstruction of electoral fraud investigations, and erosion of transparency through refusal to share data and materials.

IAF orders court of inquiry into Sukhoi hard landing at Pune airport

Pune, Agency: IAF ordered Saturday a court of inquiry into a hard landing by a Sukhoi Su-30MKI fighter jet in Pune, as flight operations at the civil-military airport resumed after an overnight shutdown of nearly 10 hours.

IAF spokesperson Wing Commander Jaideep Singh confirmed the probe. He also said: "Work was done at a war footing last night to remove the aircraft from the runway and make the runway operational. Airport operations started this morning." Senior officers said investigators will examine multiple factors, including aircraft's vertical speed at touchdown and pilots' response. "Usually, multiple factors are responsible for a heavy landing of any fighter jet. The technical team will examine each system thoroughly to identify any technical error. One of the crucial elements is the oleo-pneumatic system. It helps ascertain the landing impact," an officer said on condition of anonymity. The aircraft suffered an undercarriage failure during landing on Friday, leaving it stranded on the runway.

US commission, Adanis jointly seek extension in securities case

New Delhi, Agency: The US Securities and Exchange Commission (SEC) and Indian businessmen Gautam Adani and Sagar Adani have jointly requested a US court for more time to file key submissions in a civil securities case, proposing a revised schedule for motions and responses. In a filing before the US District Court for the Eastern District of New York, the parties said they had conferred in line with the court's April 7 directive and agreed on a new timeline, which has been submitted for approval to Judge Nicholas G Garaufis.

The SEC had sued Adani Group founder Gautam Adani and his nephew Sagar in November 2024, alleging they had misled investors by failing to disclose an alleged bribery scheme tied to Indian state officials, framing the case under US securities laws.

Denying all allegations, the two, through their lawyers, on April 7, filed a pre-motion letter ahead of a planned April 30 motion, seeking dismissal of a fraud lawsuit.

Day after, opposition hopes it has been able to dent BJP's invincibility

New Delhi, Agency: When the opposition politicians met in Congress chief Mallikarjun Kharge's chamber the day after, the attendance was full and the mood jubilant. And leaders lauded the INDIA bloc parties for standing together to defeat the BJP govt's Constitution amendment bill on delimitation.

The opposition believes that the BJP has been given a legislative jolt that hurts its carefully crafted aura of invincibility, built over the years by taking panchayat polls as seriously as the parliamentary elections. The opposition is confident that BJP's bid to paint the rival parties as anti-women will not fly, given that the opposition put its argument that it is about "delimitation and gerrymandering" unambiguously before the people in the run-up to the Parliament sitting and then in the two days of Lok Sabha debate.A casual remark from Congress matriarch Sonia Gandhi right at the outset - "why is everyone so quiet" - triggered a banter that led to member after member giving their take on the "victory" and its implications. A participant told Media, "The bloc felt invigorated. There was much jubilation because the coordination and cohesion among allies have been re-established." Besides Sonia, the full house saw Sanjay Raut (Shiv Sena), Supriya Sule (NCP), Mahua Maji (JMM), N K Premachandran (RSP), Sandosh Kumar (CPI), K C Venugopal, Jairam Ramesh, Gaurav Gogoi, Manickam Tagore, Naseer Hussain (Congress), TMC's Derek O'Brien and Kakoli Ghosh Dastidar, Mian Altaf Ahmad (NC) among others. The opposition believes while it has given a shock to the BJP, it should now be careful to keep up the messaging that the defeated bill pertained to delimitation that would have hurt the country. It was specifically suggested by many that they should avoid the BJP's trap of it being about women's

ED raids Kolkata Police deputy commissioner, some others in PMLA probe

New Delhi, Agency: The Enforcement Directorate on Sunday conducted raids at the premises of Kolkata Police Deputy Commissioner Shantanu Sinha Biswas and on another person as part of a money laundering probe against an alleged criminal and his linked syndicate in the poll-bound state, officials said. Two premises of Biswas, including his residence in Ballygunge area and one location of a man named Joy Kamdar, Managing Director of a company named Sun Enterprise, have been raided under the provisions of the Prevention of Money Laundering Act (PMLA).

The action is linked to a money laundering case against an alleged local criminal named Biswajit Podder alias Sona Pappu, who is booked in multiple cases on charges of attempted murder and extortion. The federal probe agency had conducted the first round of searches in this case on April 1.

The ED had then seized cash worth Rs 1.47 crore apart from gold jewellery and silver valued at Rs 67.64 lakh and a country-made revolver from some premises that were searched.

The probe stems from a Kolkata Police FIR against against Podder for his alleged involvement in rioting, attempt to murder, criminal conspiracy and Arms Act violations.

The accused, including Podder, were engaged in organised criminal syndicate activities in the state of West Bengal and generated funds illegally by way of syndicate operations, the ED said in a statement on April 9.

Podder is also wanted by the police in a case of violence in Kankulia road near Golpark of Kolkata and is currently on the run. The ED has issued summons to Pidder but he has failed to join the investigation so far, according to

Important to guide children about usage of digital devices, not simply restrict it

How do you interpret rising stress among children, especially with digital exposure?

New Delhi, Agency: I see this not as a problem but as a social challenge. As aspirations increase, competition and pressure will also rise. Digital devices have added another dimension, but the root remains the same. This is not a governance issue alone. We need to simplify the core issue and prepare children for life, not just exams. At the same time, excessive screen exposure, constant comparison on social media andainformation overload are amplifying anxiety. Children are not just studying anymore, they are continuously being evaluated - by peers, platforms and perceptions. This makes it important to guide usage, not simply restrict it. What role do society and campaigns play in addressing mental health concerns?

? Policy is only one part. Impact comes from social awareness and behavioural change. Everyone has a role to play, including the media. The Times of India's campaign on destressing and mental health is important in shaping understanding. Parents must realise that success is not defined by coaching or a narrow set of exams. We must also build a culture where digital use is balanced with physical activity, conversation and rest. This is a societal issue of aspirations and perception, not just performance. What policy measures are being taken to reduce stress and make learning more meaningful?

? NEP addresses the fundamentals. We have introduced new curriculum, syllabus, textbooks and pedagogy, with more sports, arts and skill development. Bagless days and full-fledged courses in sports and skills are meant to reduce academic burden. The aim is to move from certificates to competencies. Students should not feel limited to JEE or NEET. A 360-degree approach builds confidence and helps reduce distress, while also giving students space away from constant digital pressure. What is the central approach to destress students within classrooms?

Mother tongue. It directly affects understanding and confidence. A child often feels lost when the classroom language is different from the language spoken at home. Mother tongue-based education up to Class V, preferably till Class VIII, bridges this gap. It improves comprehension and significantly reduces stress, making learning more natural and less intimidating. How should India balance digital expansion and AI with student wellbeing?

Digital expansion and AI must be approached with awareness and balance.